हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● शुक्रवार ● 28.11.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 123 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

मंईयां सम्मान ₹2500

अधिवक्ताओं और राज्यकर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा

झारखण्ड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग का गठन

रांची में हाईटेक फ्लाईओवर

झारखण्ड फ़्लाईंग इंस्टिट्यूट शुरु

520 बेड बहुमंजिला छात्रावास का निर्माण शुरु

महिला महाविद्यालय, डिग्री कॉलेज एवं राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालयों के निर्माण की स्वीकृति

पहले मिल्क पाउडर प्लांट की आधारशिला

फूलो झानो आशीर्वाद अभियान से 40 हजार महिलाओं को करोड़ों रुपए की मदद

2 लाख 80 हजार से अधिक SHGs को ₹17,374 Cr क्रेडिट लिंकेज

हजारों स्टूडेंट्स को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड का लाभ

पलाश ब्रांड से ₹56.47 Cr का व्यापार

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती एवं रजत पर्व पर भव्य आयोजन

राजस्व निरीक्षक, स्नातकोत्तर प्रशिक्षित शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायकों, स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, चिकित्सा पदाधिकारियों, विधि सहायक आदि अंतर्गत विभिन्न विभागों में हजारों नियुक्तियां

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना

खूंटी, चाईबासा एवं चांडिल में BAR COUNCIL BULIDING का शिलान्यास

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना

स्कूलों में STEM एवं SCIENCE लैब की स्थापना

राज्य में नए 800 MW बिजली का उत्पादन

इको टूरिज्म को बढ़ावा

4th SAAF CHAMPIONSHIP 2025 का आयोजन

झारखण्ड 25
अनंत संभावनाओं की ओर

हेमन्त सरकार के
प्रथम वर्षगांठ
पर चयनित हजारों अभ्यर्थियों का
नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

28 नवंबर, 2025
अपराह्न 12:15 बजे से
मोरहाबादी मैदान, रांची

स्कैन करें और इस समारोह के सहभागी बनें!

अध्यक्षता
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मानित अतिथि

श्री राधा कृष्ण किशोर माननीय मंत्री	**श्री दीपक बिरुवा** माननीय मंत्री	**श्री चमरा लिण्डा** माननीय मंत्री
श्री संजय प्रसाद यादव माननीय मंत्री	**श्री इरफान अंसारी** माननीय मंत्री	**श्री हफीज़ूल हसन** माननीय मंत्री
श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह माननीय मंत्री	**श्री योगेन्द्र प्रसाद** माननीय मंत्री	**श्री सुदिव्य कुमार** माननीय मंत्री

श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR- 367263 (IPRD) 25-26

एक नजर

विधायक रोशन लाल चौधरी शादी समारोह में हुए शामिल

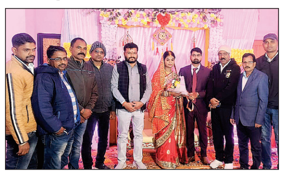

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने बुधवार रात को बड़कागांव दैनिक बाजार निवासी समाजसेवी कृष्ण प्रसाद के पुत्र अमित कुमार की शादी समारोह रिसेप्शन में शामिल हुए। नव दंपति को बुके एवं उपहार देकर सुखमय दांपत्य जीवन की शुभकामनाएं दी। वहीं इसके अलावा विधायक ने प्रखंड में कई शादी समझ में शामिल हुए एवं लोगों से मिले। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, सच्चिदानंद तिवारी, पत्रकार उग्रसेन गिरी, संजय सागर, नरेश कुमार, संजय राम, संदीप कुशवाहा, शिक्षक चेतलाल राम, रवि राम ,विनोद राम ,भोला महतो, अरविंद कुमार, अवधेश वर्मा, अरविंद मिश्रा, रवि नाग के अलावा अन्य विशिष्ट लोग शामिल हुए एवं नवदंपति को शुभ आशीष दिए।

अवैध मादक पदार्थ का कारोबार, ग्रामीणों ने एसडीपीओ को सौंपा आवेदन, कर्रवाई की मांग

बरही : 0करियातपुर सहित आसपास के क्षेत्रों में मादक पदार्थ बिक्री व सेवन धड़ल्ले से चल रहा है। अवैध कारोबारियों के आगे आम जनता परेशान हैं। जहां एक ओर अवैध कारोबारियों का धंधा फल-फूल रहा है वहीं दूसरी ओर युवा वर्ग मादक पदार्थों के सेवन से अपना फलता फूलता घर परिवार व खुद का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। जिसके कारण परिजन चिंतित हैं। इस सम्बंध में ग्रामीण एवं मुखिया मनोज कुमार, संजय कुमार केशरी, शंभु केशरी सहित कई लोगों ने मंगलवार को करियातपुर पंचायत भवन लगे आपके द्वारा कार्यक्रम बरही एसडीपीओ को आवेदन सौंप कर्रवाई करने की मांग किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि करियातपुर में अवैध रूप मादक पदार्थ की अवैध कारोबार दिन रात फल फूल रहा है जिसके कारण युवा वर्ग ऐसे मादक पदार्थ का सेवन का शिकार हो रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि युवा वर्ग नशीले मादक पदार्थ अर्थात अफीम, चरस, गांजा का शिकार हो गए हैं कि सभी कर्ज. भी डूब गए हैं। यहां तक समय पर नशा का सामग्री नहीं मिलने पर चोरी डैकती जैसे कांड को अंजाम देने लगे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह अवैध कारोबार लगभग 5 सालों से चल रहा फिर भी पुलिस प्रशासन अनभिज्ञ हो बैठी है। बताया गया है अवैध कारोबारियों एवं सेवन करने का करियातपुर हाई स्कूल,जमुनी आहर क्षेत्र सहित कई सुरक्षित जगह माने जाते हैं जहां शाम होते ही अवैध कारोबारियों एवं सेवन करने की हुजम जमा होने लगता है।

विभिन्न पंचायतों में आयोजित हुआ आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के धनवार ,करियातपुर, कोनरा, बरही पश्चिमी एवं बिजैया पंचायत में एक साथ सेवा का अधिकार सप्ताह कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं संबंधी आवेदन जमा किए, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। करियातपुर पंचायत में आयोजित शिविर में कुल 706 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 612 आवेदनों का त्वरित निस्तारण किया गया। शिविर का शुभारंभ अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, मुखिया मनोज कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमें शिविर में वृद्धा पेंशन, राशन कार्ड, श्रमिक कार्ड, अबुआ आवास योजना, विधवा पेंशन, मईया योजना समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें एवं आवेदन लिए गए। इनमें से कई का समाधान तुरंत किया गया, जबकि कुछ मामलों को आगे की कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया। धनवार पंचायत में शिविर के दौरान 569 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 505 आवेदनों का त्वरित निपटारा किया गया। बिजैया पंचायत में आयोजित ह्यआपकी सरकार आपके द्वारह्न कार्यक्रम में 665 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 531 आवेदनों का तुरंत निस्तारण किया गया। कोनरा पंचायत भवन में आयोजित सेवा सप्ताह अधिकार के तहत शिविर में कुल 498 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 259 आवेदन का निष्पादन तुरंत किया गया। बरही पश्चिमी पंचायत में आयोजित सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम को बीडीओ जयपाल महतो, डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, सीओ चंद्रशेखर कुणाल, प्रमुख मनोज रजक तथा स्थानीय मुखिया शमशेर आलम ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। शिविर में कुल 549 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 225 आवेदन का निष्पादन तुरंत किया गया ग्रामीणों के लिए इस पहल से उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ अपने ही पंचायत में, बिना कार्यालय के चक्कर काटे, उपलब्ध हो पा रहा है। अधिकारियों ने भी आश्वस्त किया कि बचे हुए आवेदनों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं एसडीओ जोहन टुडू ने ग्रामीणों को समय पर उपस्थित हो कर लाभ लेने की अपील किया।

ओच्छी राजनीतिक करना बंद करें अंबा प्रसाद जी एवं उनके समर्थक : खेमलाल महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : आए दिन समाचार पत्रों के माध्यम से पूर्व विधायक अंबा प्रसाद जी एवं कांग्रेस पार्टी के विशेश्वर नाथ चौबे जी के द्वारा बयान जारी किया गया कि हरली डिग्री कॉलेज का शिलान्यास उनके द्वारा किया गया था और शिलापट उखाड़कर फेंक दिया गया। इस संबंध में भाजपा पूर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए बताया कि 21 नवंबर 2025 को जो शिलान्यास एवं भूमि पूजन हुआ उसमें महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार, झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी उनके मंत्री राधा कृष्ण किशोर जी, संजय प्रसाद यादव जी, सुदिवय कुमार जी के साथ-साथ क्रमानुसार स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल एवं बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी का नाम दर्ज है। पूर्व में जो शिलान्यास किया गया था उसमें ना तो कार्य का टेंडर हुआ था और ना ही उक्त भूमि का सीमांकन हुआ था पूर्व का शिलान्यास सिर्फ शत प्रतिशत विधानसभा चुनाव जीतने के उद्देश्य से किया गया था साथ ही क्षेत्र में कई ऐसी योजनाओं का भी बिना पैर हाथ के सिर्फ दिखावे के लिए शिलान्यास कर क्षेत्र की जनता को दिगभ्रमित करने का काम किया गया था जबकि वर्तमान में जो शिलान्यास व भूमि पूजन हुआ है वह न्याय संगत है और राज्य से लेकर विधानसभा स्तर तक के प्रतिनिधियों का सम्मान दिया गया है।

नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर में दो देवासीय प्रशिक्षण हुआ संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : प्रखंड की अंतर्गत ग्राम पंचायत सलगा के टोला नव प्राथमिक विद्यालय सोहानपुर केरेडारी प्रखंड के राज्य प्रयोजना के आदेशानुसार सीआरपी सुनील कुमार पांडेय के द्वारा दो दिवसीय टप्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण में विद्यालय के छात्र-छात्राओं की अभिभावकों के बीच पढ़ाई संबंधित बच्चों को साफ सफाई एवं खान-पान के बारे में कई ऐसे बाते बताते हुए बोले कि बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजे विद्यालय नहीं आने पर विद्यालय छात्र-छात्राओं के अभिभावक के ऊपर कड़ी निगरानी रखते हुए विद्यालय के प्रबंधन समिति के द्वारा निराकरण किया जाएगा इस विद्यालय में प्रशिक्षण में उपस्थित संकुल सेवी सीआरपी सुनील कुमार पांडेय विद्यालय के अध्यक्ष पवन कुमार दास सचिव ललिता देवी शिक्षिका रुक्मिणी देवी संजीवका रूपा देवी उपाध्यक्ष यसोदा देवी और केरेडारी संधान से आए हुए पदाधिकारी प्रखंड संधान सेवी बीआरपी महावीर महतो , प्रखंड प्रति निधि एफ एल एन पिंटू कुमार मौजूद थे इसमें विद्यालय में छात्र छात्राओं से कंप्लेन करता सीनियर पदाधिकारी विद्यालय में चल रहा एमडीए कड़ी निगरानी रखते हुए जांच किया जिसमें पूर्ण रूप से मेनू के आधार से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को खाना मिल रहा है कहां है सीआरपी सुनील कुमार पांडे के द्वारा छात्र-छात्राओं को अभिभावकों को निर्देश दिए की अपने-अपने छात्र-छात्राओं को साफ सफाई में अवश्य ध्यान दें छात्र-छात्राओं को साफ सफाई रखने से मानसिकता बढ़ता है और विद्यालय में आकर एमडीएम का जो खाना बनता है।

कांडाबेर पंचायत में आपकी योजना आपकी द्वार कार्यक्रम संपन्न हुआ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : प्रखंड हजारीबाग के आपकी योजना आपकी द्वार का कार्यक्रम संपन्न किया गया है इस कार्यक्रम में उपस्थित कैंडाबेर पंचायत के मुखिया दिनेश कुमार साव केरेडारी प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार अंचल अधिकारी रामरतन वर्णवाल बीपीओ सुमन कुमार केरेडारी प्रखंड के उप प्रमुख अमेरिका कुमार महतो रोजगार सेवक किशोर राम स्वयंसेवक रविंद्र कुमार बीएमटी प्रभु कुमार संचालन करता जयराम साव ने किया गया सभी पदाधिकारी को बुके देकर सम्मानित किया गया आपकी योजना आपकी द्वार का कार्यकाल 21 नवंबर से लेकर 28 नवंबर 2025 तक समाप्त करने की घोषणा की गई है जिससे राज सरकार सेवा गारंटी अधिनियम 2011 के प्रभावी क्रिया को शुद्ध करने तथा आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं तक सुलभ पहुंच सके केरेडारी प्रखंड विकास पदाधिकारी विवेक कुमार के द्वारा बताया गया कि जिस प्रकार की सिविल का आयोजन किया जा रहा है इसमें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जैसे किसी प्रकार का तुरंत में पोर्टल नहीं खुलने के कारण से ऑनलाइन फॉर्म नहीं किया जा रहा है या फॉर्म पोर्टल खोलते हैं सर ग्रामीणों का काम तुरंत किया जाएगा आश्वासन देते हुए बोले सर का पंचायत में सिर्फ जाति का पोर्टल खुला और आयुष्मान कार्ड बनाया गया बाकी जितने भी प्रकार के टेबल लगा था उसे उसे टेबल के ऑपरेटर फॉर्म लेकर इकट्ठा जमा करके बाद में करने का घोषणा किया है यह शिविर में उपस्थित लाभों के कई प्रकार के आवेदनों दिया गया लेकिन पोर्टल पर पंजीकृत किया गया तथा उनका निष्पादन किया गया शिविर में जाति प्रमाण पत्र 71स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र 26 आय प्रमाण पत्र 61 और जन्म प्रमाण पत्र 6 मृत्यु प्रमाण पत्र 1 का राशन कार्ड 20 विधिवा पेंशन 29 विकलांग पेंशन 01 ग्रामीणों को किया गया टोटल आवेदन 127 प्राप्त हुआ और अन्य में 378 आवेदन प्राप्त हुआ इस भूमि धारक प्रमाण पत्र सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं से संबंधित आवेदक को प्राथमिकता के साथ स्वीकार किया गया।

चौबे पंचायत भवन में सरकार आपके द्वार शिविर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत चौबे पंचायत भवन में प्रमुख नितू कुमारी की अध्यक्षता में सरकार आपके द्वार शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया।संचालन दीपक चौधरी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज़िप सदस्य सविता सिंह प्रमुख नितू कुमारी बीडीओ अमृता सिंह सीओ नवीन भुषण कुल्लू प्रखंड खाद्य आपूर्ति पदाधिकारी गणेश प्रजापति उप प्रमुख शमसेर आलम बींस सुत्री उपाध्यक्ष मोइन उदीन पंसस उदीत राम ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्प माला अर्पित कर किया। वहीं प्रमुख नितू कुमारी के द्वारा लोगों को माला पहनाकर एवं बुकें देकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद लोगों ने संयुक्त रूप से बाल विवाह रोकने को लेकर शपथ भी ली। शिविर में सभी तरह का स्टॉल लगाई गई थी। वहीं शिविर में जॉब कार्ड साडी- धोती का वितरण किया गया। लगभग सभी शिविर में सरकार की बहुत महत्वकांक्षी मंईया सम्मान योजना का फोर्म लोगों के द्वारा जमा किया जा रहा है। मौके पर समाजसेवी भुनेश्वर स्वर्णकार, अशोक यादव, रामजी चौधरी, प्रदीप चौधरी,मुकेश रंजन, शमशाद अंसारी, महबूब अंसारी, भूदेव चौधरी, वरुण चौधरी, बिजली मिस्त्री नईम अंसारी, संजय वर्मा, अमित दांगी, उमेश कुमार समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण और प्रखंड सह अंचल के कर्मचारी मौजूद थे।

करियातपुर, कोनरा, विजैया, बरही पश्चिमी एवं धनवार में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 621 मरीजों की हुई इलाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत अनुमंडलीय अस्पताल बरही की ओर से लगातार अलग अलग पंचायत में निर्धारित तिथि के अनुसार स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के निर्देशन में किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरुवार को करियातपुर, कोनरा, विजैया, बरही पश्चिमी एवं धनवार पंचायत में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यातपुर में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 187 मरीजों का जांच कर इलाज किया गया। वही कोनरा पंचायत में कुल 175 मरीजों की इलाज किया गया। विजैया पंचायत में 180 , बरही पश्चिमी पंचायत में 175 तथा धनवार पंचायत के 79 मरीजों की जांच एवं इलाज की गई। साथ ही निःशुल्क दवा भी दी गई। शिविर में खुद डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने मरीजों का इलाज की और उचित परामर्श दिए। इसके अलावा कई लोगों को नेत्र जांच, टीबी जांच एनसीडी आयुष्मान कार्ड , मलेरिया स्लाइड सिक्वल सेल , आभा कार्ड , कुष्ठ जांच भी की गई। शिविर को सफल बनाने में डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी, डॉ विक्रम कुमार, डॉ राजीव चंदन, डॉ अंकुर विहान, डॉ एजाज हुसैन, सुलेखा कुमारी, संजू शर्मा, मेनका कुमारी,सुमन कुमारी, मो दीपक कुमार नेत्र सहायक, सुधांशु कुमार, सलोनी कुमारी, अनीता कुमारी, मृत्युंजय चौरसिया, रवि शंकर कुमार, हीरा कुजूर, कुलदीप कुमार ,मो शाहिद, मो एजाज, संतोष कुमार, पूर्णिमा गुरुंग, प्रहलाद कुमार, प्रेमलता कुमारी, सावित्री कुमारी, रवि शंकर कुमार, प्रतिभा कुमारी, पुष्पा टोप्पो, शहीद अली, शांति कुंडला, गीता कुमारी सहित संबंधित पंचायत के सहिया एवं सहिया साथी का योगदान रहा।

प्रखंड में पांच पंचायत में हुआ सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजन

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बड़कागांव : बड़कागांव में गुरुवार को प्रखंड के पांच अलग-अलग पंचायत में झारखंड सरकार के द्वारा संचालित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के नापोखुर्द चोपदार बलिया, चेपाकला ,सिरमा एवं पोटँगा पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया । जिसमें नापोखुर्द पंचायत में 1196 आवेदन , चौपदार बलिया पंचायत में 958 आवेदन ,सिरमा पंचायत में 805 आवेदन, चेपाकला पंचायत में 949 आवेदन एवं पोटँगा पंचायत में 539 आवेदन । पांचों पंचायत में कुल 4447 आवेदन जमा हुए । जिसमें कई मामलों का निपटारा शिविर में ही किया गया। नापोखुर्द ,चौपदार बलिया पंचायत में मुखिया गणेश साव व पूजा कुमारी की अध्यक्षता में शिविर लगाया गया। चेपाकला पंचायत में मुखिया अनिकेत नायक,सिरमा पंचायत में मुखिया इस्मत आरा के नेतृत्व में उद्घाटन मुख्य अतिथि बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल , प्रमुख फुलवा देवी, अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में कई विभाग के द्वारा स्टॉल लगाए गए । इस दौरान कई लोगों की समस्याओं का निष्पादन शिविर में हीं कर किया गया । इस दौरान अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया गया। बच्चों के बीच गर्म वस्त्र परिसंपत्तियों का भी वितरण किया। मईया सम्मान योजना, अबुवा आवास ,प्रधानमंत्री आवास, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जाति ,आवासीय, पेंशन योजना के अलावा अन्य योजना को लेकर स्टॉल लगाए गए थे। वहीं अबुआ एवं मईया सम्मान योजना का पोर्टल अब तक खुला नहीं, लोग परेशान नजर आए। ऑफलाइन आवेदन जमा किए गए।अलग-अलग पंचायत में शामिल होने वाले पदाधिकारी एवं कर्मियों में मुख्य रूप से नोडल पदाधिकारी आशीष कुमार, भास्कर राज ,दीपक कुमार , मुखिया प्रतिनिधि चंदनपुरी, महतो ,अरुण पासवान ,अंनत कुशवाहा, मोहम्मद हकीम, मनीष पाठक, पंसस गणेश साव , सचिन कुमार ,नरेंद्र महतो, व अन्य शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

उच्च विद्यालय शिवाडीह के अव्वल प्रतिभागी हुवे सम्मानित

बड़कागांव : स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन द्वारा बीते माह आयोजित झारखंड ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रखंड के सांढ पंचायत में स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय शिवाडीह के दर्जन प्रतिभागियों के बीच मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार एवं संचालन शिक्षक कृष्णा कुमार दांगी एवं अनिल कुमार दास ने किया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य मुकेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता छात्रों में ज्ञान के प्रति रुचि, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने स्ट्रेमैक्स फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। फाउंडेशन के संस्थापक शिक्षाविद एवं लेखक बिपिन कुमार ने कहा टॉपर बनना एवं जीतना ही महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि सीखते हुए आगे बढ़ना अधिक जरूरी है।इन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।विदित हो कि इस स्कूल से 30 विद्यार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया और सभी सफल हुवे।

बी.एम. मेमोरियल स्कूल में मनाई गई संविधान दिवस

बड़कागांव : बी.एम. मेमोरियल स्कूल में संविधान दिवस मनाई गई। जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य कैलाश कुमार व संचालन शिक्षक मुकेश कुमार दास ने किया।इस दौरान बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के चित्र पर फूल चढाकर उन्हें याद किया गया। इस दौरान उप निदेशक पिंटू कुशवाहा दिनकर ने कहा कि बाबा साहब भारत के हर नागरिकों को मौलिक अधिकार देकर उन्हें कल्याण करने का काम किया है। इन्होंने जातिवाद शोषण, भ्रष्टचार, अत्याचार से भी मुक्ति दिलाया। महिला उत्पीड़न को खत्म किया है।पुरुषों के समान महिलाओं को हर क्षेत्र में अधिकार दिलाया।हर वर्ग के लोगों को रोजगार शिक्षा संस्कृति में समानता का अधिकार दिया। प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि सभी नागरिकों में समानता का अधिकार हमारा संविधान देता है। हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा और महान संविधान है। आज हमारे संविधान को विश्व के सभी देश अनुकुल्लन करते हैं। उपप्राचार्य पूनम कुमारी कहां की अंबेडकर जी सभी जाति,धर्म और महिलाओं का हक अधिकार, देश को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और संघर्ष के मुद्दों पर चिंतन करने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने जीवन में शिक्षा और संघर्ष के माध्यम से बड़ी बड़ी चुनौतियों को हल किया है। मौके पर बी.एम.मेमोरियल स्कूल के निर्देशक संदीप कुशवाहा, उपनिदेशक पिंटू कुशवाहा , प्राचार्य कैलाश कुमार,विद्यालय शिक्षा अध्यक्ष रंजीत कुमार ,उपप्राचार्य पूनम कुमारी , ब्रह्मदेव सिंह चौहान,आनन्द राज ,महेंद्र विश्वकर्मा ,मुकेश कुमार दास ,सोनू कुमार, कृष्ण यादव, राजेश कुमार ,ऋषभ अग्रवाल, एरिका टोप्पो, देवंती कुमारी, अंजली मिश्रा ,गंगा भारती, मनीषा कुमारी, अफसाना परवीन ,स्नेहा कुमारी ,सावित्री टुडू ,अन्नीदिता दास, विकास ठाकुर, सुभाष प्रसाद,आदित्य कुमार, ज्योति कुमारी , सहित अन्य लोगों उपस्थित थे।

हजारीबाग संच का आचार्य मासिक अभ्यास वर्ग सम्पन्न, केंचुआ बेड बनाने पर जोर

हजारीबाग : एकल अभियान हजारीबाग संच का मासिक एकल विद्यालय आचार्यो का अभ्यास वर्ग हजारीबाग के पिंजरा पोल गौशाला में संपन्न हुआ । इस मासिक अभ्यास वर्ग में हजारीबाग संच के सभी एकल विद्यालय आचार्य उपस्थित हुए। सभी ने बारी बारी से अपने-अपने विद्यालय की मासिक प्रगति रिपोर्ट संच प्रमुख सह प्रशिक्षिका जयंती देवी के समक्ष प्रस्तुत किया । उसके बाद संच प्रशिक्षिका जयंती देवी ने प्रत्येक विद्यालय का मूल्यांकन कर जरूरी दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर सभी आचार्यो को निर्देशित किया गया कि वह अपने एकल ग्राम में केंचुआ खाद बनाने के लिए किसानों को प्रेरित करें । मौके पर सभी एकल विद्यालय आचार्यों ने अपने-अपने गांव में 10-10 केंचुआ बेड बनाने का संकल्प लिया। मौके पर मीना देवी, किरण देवी, ललिता देवी, उर्मिला देवी, सुलेखा देवी, ज्योति देवी ,उषा पिंकी, बबीता चौधरी ,सरिता, रेनू ,बसंती ,रीना, नीलम ,धनवंती, कनिष्ठ ,मंजू ,नीतू , खुशबू, अनीता, किरण, सरस्वती, मीना, सुमित्रा, रीना, सरिता आदि लोग उपस्थित रहे।

एनएचआरए के प्रदेश महासचिव बनी हजारीबाग की मंजू सिंह

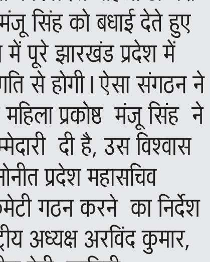

हजारीबाग : राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के हजारीबाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मंजू सिंह को प्रोन्नति देते हुए प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष प्रीति उपाध्याय, राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिलीप राय के संयुक्त अनुशंसा पर झारखंड प्रदेश के प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत किया गया है। गुरुवार को हजारीबाग की मंजू सिंह को प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव से अनुमति प्राप्त करने के उपरांत पदनाम की घोषणा की। प्रदेश महिला अध्यक्ष प्रीति उपाध्याय ने नव मनोनीत प्रदेश महासचिव मंजू सिंह को बधाई देते हुए कहा कि नव मनोनीत प्रदेश महासचिव के नेतृत्व में पूरे झारखंड प्रदेश में संगठन की मजबूती एवं विस्तार का कार्य तीव्र गति से होगी। ऐसा संगठन ने उम्मीद जताई है। नव मनोनीत प्रदेश महासचिव महिला प्रकोष्ठ मंजू सिंह ने कहा जिस विश्वास के साथ संगठन ने उन्हें जिम्मेदारी दी है, उस विश्वास को टूटने नहीं दूंगी । प्रदेश टीम के द्वारा नव मनोनीत प्रदेश महासचिव महिला प्रकोष्ठ को पूरे प्रदेश में जिला महिला कमेटी गठन करने का निर्देश दिया गया। प्रदेश महासचिव बनाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार, प्रदेश सचिव प्रो हीरामन साव, प्रमंडल अध्यक्ष हीरा देवी, कामिनी देवी,जिलाध्यक्ष हजारीबाग डॉ दीनानाथ ठाकुर, रांची जितेंद्र सिंह, रीना आनंद, संजू देवी देवी, नीतू देवी, सिमरन कुमारी, कमल शंकर पंडित, प्रभाकर पाठक, रेखा देवी, दुर्गेश वर्मा, पूनम प्रसाद आदि ने बधाई दी है।

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शुक्रवार • 28.11.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 123 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के तीन मामलों में 21 साल जेल की सजा

ढाका : बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजधानी ढाका की एक विशेष अदालत ने जमीन आवंटन में हुए भ्रष्टाचार के तीन मामलों में दोपहर के वक्त कुल 21 साल जेल की सजा सुनाई। यह मामले राजुक न्यू टाउन प्रोजेक्ट पूर्वाचल में 30 कट्ठा सरकारी जमीन के कथित गैरकानूनी आवंटन से जुड़े हैं। हसीना एवं अन्य के खिलाफ बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने जनवरी में छह मामले दर्ज किए थे। बाकी तीन मामलों मे एक दिसंबर को फैसला सुनाया जाएगा। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना को तीनों मामलों में से हर एक में सात साल की सजा का फैसला सुनाया गया। दूसरे आरोपितों को भी अलग-अलग सजा सुनाई गई। यह फैसला ढाका विशेष अदालत-5 के जज मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने सुनाया। तीनों मामलों में कुल 47 आरोपित हैं। पहले मामले में शेख हसीना समेत 12, दूसरे में अपदस्थ प्रधानमंत्री और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय समेत 17, तीसरे में हसीना और उनकी बेटी साइमा वाजेद पुतुल समेत 18 आरोपित हैं। कोर्ट ने हिरासत में मौजूद एकमात्र आरोपित पूर्व राजुक (एस्टेट और लैंड) सदस्य मोहम्मद खुर्शीद आलम की दलील सुनने के बाद रविवार को फैसले की तारीख तय की। फैसला शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों समेत बाकी आरोपितों की गैर मौजूदगी में सुनाया गया।

असम में बहुविवाह प्रतिबंध विधेयक पारित

गुवाहाटी : असम विधानसभा ने गुरुवार को असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलिगैमी बिल, 2025 को मंजूरी दे दी। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सदन में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लेकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि यदि वे अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद फिर से सत्ता में लौटते हैं तो नई सरकार के पहले सत्र में ही यूसीसी पेश किया जाएगा और बिना किसी देरी के लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहुविवाह प्रतिबंध कानून यूसीसी की दिशा में उठाया गया ठोस कदम है और सभी समुदायों में व्यक्तिगत कानूनों की एकरूपता लाना उनकी प्रतिबद्धता है। विधेयक में बहुविवाह को दंडनीय अपराध माना गया है, जिसके लिए 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। हालांकि, अनुसूचित जनजातियों और षष्ठ अनुसूची के अधीन क्षेत्रों को इस कानून से मुक्त रखा गया है।

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का वाहन दुर्घटनाग्रस्त

जोरहाट : असम के सांसद और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई गुरुवार को हुए एक सड़क हादसे में सुरक्षित बच गए। यह दुर्घटना तब हुई जब उनकी कार के चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और वाहन एक पुल की रेलिंग से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया। हादसे के समय गौरव गोगोई वाहन में मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं आई।

हेमन्त ने शहीद सोबरन सोरेन के 68वें शहादत दिवस पर नेमरा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

नौकरी के साथ-साथ स्वरोजगार को भी दे रहे बढ़ावा : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को अपने पैतृक गांव रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नेमरा पहुंचे। यहां उन्होंने अपने दादा शहीद सोबरन सोरेन की 68वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। नेमरा से 5 किलोमीटर दूर लुकैयाटांड़ में शहीद सोबरन सोरेन की समाधि स्थल मौजूद है। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दादा सोबरन सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि झारखंड के वीर शहीदों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर होने वाले शोषण के विरुद्ध आवाज बुलंद की थी। ऐसे लोगों ने स्थानीय आदिवासी और मूल निवासियों के अधिकार को छीनने वालों के खिलाफ संघर्ष किया। वीर सपूतों को सामंती विचार वालों ने फांसी दे दी। कई लोगों को जेल में डाल दिया गया। ऐसे लोगों की संघर्ष की गाथा हमेशा हम सभी का मार्गदर्शन करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भी याद किया और उन्हें याद करते हुए भावुक भी हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड 25 साल का हो गया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हमारे नौजवानों को कंधे का इतना मजबूत करना होगा कि हमारे मार्गदर्शकों का सपना पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि 28 नवंबर को सरकार का एक साल पूरा हो रहा है। इस मौके पर 10 हजार से अधिक नौजवानों को सरकार रोजगार देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की मूल आबादी खेती पर ही निर्भर है। सरकार कृषि क्षेत्र को उन्नत करेगी। ताकि गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके। किसान तभी खुशहाल होंगे जब खेती से वे अपने परिवार का भरण पोषण कर पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य की आधी आबादी (महिलाओं) की जिम्मेदारी अपने ऊपर उठा रखी है। लेकिन किसानों को भी अपने पैरों पर खड़ा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राज्य की महिलाएं विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ ले रही हैं और स्वावलंबी बन रही हैं। युवाओं के लिए भी कई कार्य योजना को सरकार ने बनाई है। इसके साथ ही अगले 50 वर्षों में राज्य को वहां पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है जहां दिल्ली, मुंबई और गुजरात जैसे प्रदेश खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार राजधानी रांची से नहीं बल्कि सीधे गांवों से चल रही है। सरकार क्या काम करती है उसकी जानकारी गांव वालों को होनी चाहिए। यही वजह है की सेवा का अधिकार अभियान के साथ सरकार आपके द्वार का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आम लोगों का काम निर्धारित समय में अधिकारियों को करना होगा।

हेमन्त सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा, सीएम आज सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

पदों का विवरण इस प्रकार है :

सहायक आचार्य : 8000	जिला समादेष्टा : 01
उप समाहर्ता : 207	सहायक निबंधक : 08
पुलिस उपाधीक्षक : 35	श्रम अधीक्षक : 14
राज्य कर पदाधिकारी : 56	प्रोबेशन पदाधिकारी : 06
काराधीक्षक : 02	निरीक्षक उत्पाद : 03
झारखंड शिक्षा सेवा श्रेणी-दो : 10	कीटपालक : 150

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा कर लिया है। इस अवसर को सरकार 'नियुक्ति वर्ष' के रूप में मना रही है। इसी क्रम में 28 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे। राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर हेमंत सोरेन को समारोह में शामिल होने के लिए आधिकारिक निमंत्रण सौंपा। यह कार्यक्रम सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है। मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंच का निर्माण किया गया है और करीब 10 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। नियुक्ति पाने वाले अभ्यर्थियों को विभागों द्वारा पहले ही सूचना भेजी जा चुकी है। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न विभागों में नियुक्तियों का वितरण किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री के साथ राज्य के कई मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

निकाय चुनाव : दो से अधिक संतान वालों को और टैक्स बकायादारों को नहीं मिल पाएगा टिकट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नगर निकाय चुनाव 2025-26 के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने कड़े दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। नई गाइडलाइन के मुताबिक, जिन उम्मीदवारों के दो से अधिक बच्चे हैं और उनकी अंतिम संतान का जन्म 9 फरवरी 2013 के बाद हुआ है, वे चुनाव लड़ने के अयोग्य होंगे। आयोग ने यह भी जोड़ा है कि यदि गए बच्चे और जुड़वां संतान भी कुल संतानों में गिने जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधे श्याम प्रसाद ने सभी जिलों को जारी पत्र में बताया है कि इस नियम को झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत लागू किया जा रहा है। पहली बार राज्यभर के सभी नगर निकायों में चुनाव एक साथ करवाए जाएंगे और तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पत्र में कहा गया कि यदि किसी उम्मीदवार के दो से अधिक बच्चे 9 फरवरी 2013 तक ही थे और

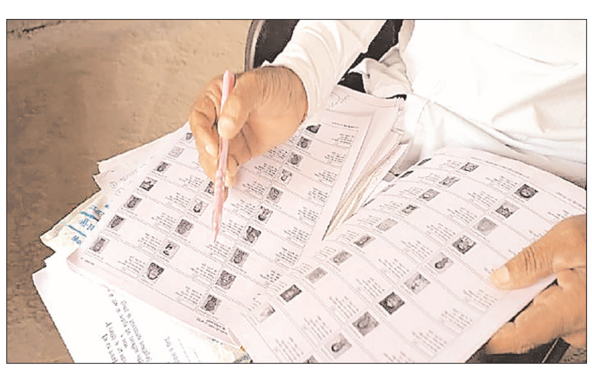

- 2013 से पहले के लंबित कर पर चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लगेगा।
- लेकिन मूल राशि + सरल ब्याज का भुगतान अनिवार्य रहेगा।
- वर्ष 2024-25 तक का टैक्स क्लियर होना जरूरी है।

उसके बाद संख्या नहीं बढ़ी है, तो वह चुनाव लड़ सकता है। लेकिन इस तारीख के बाद तीसरी संतान होने पर उम्मीदवार स्वतः अयोग्य माना जाएगा।

टैक्स बकाया वालों को नहीं मिलेगा मौका

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि बिना कर, शुल्क या किराया चुकाए कोई भी उम्मीदवार नगर निकाय चुनाव 2026 में नामांकन दाखिल नहीं कर सकेगा। स्वघोषणा पत्र में गलत जानकारी देने या सत्यापन में गड़बड़ी पाए जाने पर नामांकन सीधे रद्द कर दिया जाएगा। इन नए निदेशों के साथ आयोग ने निकाय चुनाव को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने की मंशा जताई है।

भारत मंडपम में आयोजित 44वें व्यापार मेले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए फोकस स्टेट झारखंड को मिला स्वर्ण पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में फोकस स्टेट झारखंड को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए "स्वर्ण पदक" से सम्मानित किया गया, जिससे झारखंड पैवेलियन पूरे मेले का प्रमुख आकर्षण बन गया। यह सम्मान झारखंड की नवाचार क्षमता, सांस्कृतिक विविधता और अद्भुत प्रस्तुति कौशल का प्रतीक है, जिसने आगंतुकों और निर्णायकों दोनों का दिल जीता। यह उपलब्धि झारखंड के प्रयासों, कौशल और उत्कृष्ट प्रस्तुति का मजबूत प्रमाण है और राज्य के लिए गौरव का क्षण प्रस्तुत करती है।

गुरुवार को देश के सबसे बड़े व्यापार प्रदर्शनी आयोजन आईआईटीएफ 2025 का भारत मंडपम में भव्य समापन हुआ। इस वर्ष फोकस स्टेट झारखंड ने अपनी विशिष्ट थीम, विविध उत्पादों, नवाचारपूर्ण सज्जा और आकर्षक लाइव डेमो के माध्यम

- फोकस स्टेट झारखंड ने अपनी विशिष्ट थीम, विविध उत्पादों, नवाचारपूर्ण सज्जा और आकर्षक लाइव डेमो के माध्यम से आगंतुकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा।
- पैवेलियन में झारखंड सरकार के लगे विभिन्न विभागों के स्टॉल में दर्शकों ने जानकारी।

से आगंतुकों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। मेले के अंतिम दिन झारखंड पैवेलियन में भारी भीड़ उमड़ी, जहां दर्शकों ने कला, संस्कृति, उद्योग और तकनीक का जीवंत संगम देखा और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी का भरपूर आनंद लिया। इस वर्ष झारखंड पैवेलियन के स्टॉल ऑपरेटरों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों और सेवाओं से दर्शकों को विशेष अनुभव प्रदान किया। करियातपुर ब्रास, झारक्राफ्ट, तसर उत्पाद, हस्तशिल्प, बांस शिल्प, फ्यूजन ज्वेलरी, आदिवासी हस्तनिर्मित उत्पादों सहित कई स्टॉल पर पूरे मेले के दौरान शानदार बिक्री हुई। अंतिम दिन आकर्षक छूट और ऑफरों के चलते खरीदारों की कतारें लगी रहीं। दर्शकों ने झारखंड सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, उद्योग विभाग, पर्यटन विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, रांची स्मार्ट सिटी, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, माइंस एंड जियोलॉजी, मुख्यमंत्री लघु उद्योग विभाग और माटीकला बोर्ड सहित अन्य स्टॉल पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की। यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान के व्यापक उपयोग ने खरीदारी को और भी सुगम बनाया।

इस वर्ष के सफल आयोजन ने झारखंड के उद्यम विकास, पर्यटन संभावनाओं, कला-संस्कृति और नवाचार को नई पहचान स्थापित की है। झारखंड पवेलियन ने न केवल दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि व्यापारियों और निवेशकों के लिए नए अवसर भी प्रस्तुत किए।

हांगकांग की आठ आवासीय इमारतों में लगी आग, अब तक 65 की मौत, 279 लोग लापता

एजेंसी

हांगकांग : हांगकांग में रिहायशी इमारतों में लगी भीषण आग में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 65 हो गया है और 279 लोग अभी भी लापता हैं। इस अग्निकांड को हांगकांग के इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है। चीनी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, 68 लोग अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें से 16 की हालत गंभीर है और 25 अन्य की हालत भी गंभीर है, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं। पुलिस की जांच में पता चला है कि रिहायशी इमारतों पर लगे सुरक्षा नेट्स, वाटरप्रूफ कैनवास और प्लास्टिक की चादर के चलते आग तेजी से भड़की और पूरे ब्लॉक में फैल गई। साथ ही खिड़कियों को

सील करने के लिए पॉलीयूरेथेन फोम का इस्तेमाल किया गया, जो कि बेहद ज्वलनशील तत्व है, इसकी वजह से भी आग विकराल हुई।

हांगकांग के उपनगरीय इलाके ताई पो में ये घटना हुई। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, आग एक इमारत में लगी थी, लेकिन शाम तक वह सात इमारतों में फैल गई थी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के प्रति संवेदनाएं जाहिर कीं। शी जिनपिंग ने आग की घटना को लेकर अधिकारियों से रिपोर्ट भी मांगी है।

हादसे के बाद 900 से अधिक लोगों को बचाकर सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया और बड़ी संख्या में लोगों को अस्थायी कैंपों में शिफ्ट किया गया है। हांगकांग पुलिस ने अग्निकांड को लेकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें निर्माण कंपनी के निदेशक और सलाहकार भी शामिल हैं। इन लोगों पर निर्माण में लापरवाही करने का आरोप लगाया गया है। अग्निकांड की जांच के लिए हांगकांग प्रशासन ने एक विशेष जांच समिति गठित की है, जो आग के कारणों की गहराई से जांच करेगी। इमारतों के बाहरी हिस्सों में बांस के मचान लगे थे। तेजी से फैली आग ने इन मचान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे आग को और भयानक कर दिया। अग्निशमन विभाग ने बताया कि 140 से अधिक फायर ट्रक, 60 से ज्यादा एंबुलेंस और सैकड़ों अग्निशमन दल के कर्मचारी और पुलिसकर्मी मौके पर तैनात हैं और आग को बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। काफी हद तक आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। हादसे में मरने वालों में एक अग्निशमन दल का जवान भी है।

द स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारियों ने पूरा ब्यौरा देते हुए आज सुबह कहा कि इस संबंध में भवन निर्माण कंपनी के तीन अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है। दमकल विभाग के उप निदेशक चान हिंग-युंग ने पत्रकारों को बताया कि बचाव अभियान जारी है। आठ प्रभावित इमारतों में से एक को अभी भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। चार की आग बुझाई जा चुकी है। तीन पर अभी भी काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मचारियों के और दोपहर से शाम के बीच छत पर पहुंचने की उम्मीद है।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में ईडी का 10 राज्यों में छापा

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कुछ मेडिकल कॉलेजों को पाठ्यक्रम चलाने के लिए शैक्षणिक मंजूरी देने में कथित रिश्वतखोरी से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को 10 राज्यों में एक साथ 15 ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने प्रारंभिक जानकारी में बताया कि ईडी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में कम से कम 15 ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की ये छापेमारी 30 जून 2025 को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत दर्ज एफआईआर के सिलसिले में हुई है। ईडी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग समेत सरकारी अधिकारियों को दी गई कथित रिश्वत के सिलसिले में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली और उसके आसपास 15 ठिकानों पर तलाशी ले रहा है।

एक नजर

अकलू राम महतो की पुण्यतिथि पर पारिवारिक सहायता केंद्र ने दिया श्रद्धांजलि

बोकारो : गुरुवार को पारिवारिक सहायता केंद्र के तत्वाधान में दिवंगत अकलू राम महतो की पुण्यतिथि समारोह आयोजित किया गया। मदन मोहन महतो की अध्यक्षता एवं जयप्रकाश महतो के संचालन में सम्पन्न इस कार्यक्रम की शुरूआत दिवंगत अकलू राम महतो की तस्वीर पर माला और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि से हुई ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति सदस्य हीरालाल मांझी ने अकलू राम महतो को केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक क्रांतिकारी विचारक बताया। उन्होंने कहा कि उनके विचारों को आत्मसात करते हुए वैचारिक परिवर्तन और संघर्ष को और तेजी से आगे बढ़ाना होगा ।अध्यक्ष मदन मोहन महतो ने कहा कि अकलू राम महतो का सामाजिक क्रांति में योगदान महत्वपूर्ण रहा। उनके ओजस्वी वाणियों के लिए गरीब, शोषित, दलित और वंचित लोग बार-बार धूप और सर्दी सहकर घंटों इंतजार करते थे। संयुक्त बिहार सरकार में उन्हें मंत्री पद भी प्राप्त था। उन्होंने झारखंड निर्माण आंदोलन में उनकी अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला ।पारिवारिक सहायता केंद्र की सर्वसम्मति से झारखंड सरकार से रांची और बोकारो में अकलू राम महतो की आदमकद प्रतिमा एवं महतो पार्क का निर्माण, साथ ही बोकारो हवाई अड्डे का नाम अकलू राम महतो के नाम पर करने हेतु प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यक्रम में गरीबों के बीच कंबल वितरण भी किया गया। मुख्य अतिथि ने पुनः कहा कि अकलू राम महतो ने हमेशा गरीबों और वंचितों के लिए संघर्ष किया और उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत है ।कार्यक्रम में खोरठा कवि शांति भारत, पूर्व जिला परिषद सदस्य मोहन लाल सुमन, वार्ड सदस्य बसंती देवी, मनोज कुमार महतो, जेपी कुमार, समरेश कुमार, तथा अर्जक संघ के डी डी राम, जेएमएम चास प्रखंड अध्यक्ष राम दयाल सिंह समेत अन्य ने अपने विचार रखे। प्रमुख उपस्थित लोगों में मनोज कुमार महतो, जयप्रकाश महतो, समरेश कुमार, बसंती देवी, प्रहलाद चौधरी, सीताराम महतो, के सी टुडू, शिक्षक दीपक कुमार, पिंटू प्रसाद, आशा देवी, बेला सोरेन, पूजा कुमारी, बिमल सोरेन, महावीर सोरेन, गौतम महतो, फिरोज अंसारी, सुशांत मुंडा, आशीष कुमार, करीमन ठाकुर गोस्वामी एवं राजू गोस्वामी शामिल रहे।

खेरों गांव मे चोरो के द्वारा एक घर से नगद पैसा एवं लाखो रुपये की जेवर ले भागे

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत खेरों गांव में अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के जेवरात और नगद राशि की चोरी कर ली घटना बीती रात की बताई जा रही है। जब गृह स्वामी परिवार समेत घर में सोए हुए थे और कुछ सदस्य बगल के शादी समारोह में गए हुवे थे ।सुबह जब परिजन जागे तो दो घर के दरवाजे का ताला टूटा पाया गया और अंदर रखे बक्से व ट्रंक खुले हुवे थे व सामान बिखरे पड़े थे। जांच करने पर पता चला कि सोने चांदी के जेवरात एवं ?20000 नगद गायब है। चोरी की अनुमानित राशि लाखों में बताई जा रही है। गृह स्वामी नुनुवा मोसोमात ने बताई कि ट्रंक में रखा चांदी का 42 भर का बांक, 10 भर का मंजुवा, 42 भर का हंसुली, नगद 20000 कपड़े बर्तन की चोरी हुई है। वही उनकी पतोहू देवकी देवी और द्रोपदी देवी का भी चांदी व सोने का जेवरात की चोरी हुई है। वहीं चोरों द्वारा दो घरों में असफल प्रयास भी किया गया। घटना की सूचना मिलते ही मरकच्चो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है।

सहयोगिनी का संकल्प, साल भर बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन सहयोगिनी ने कहा कि वह बोकारो जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि देश में बाल

अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। संस्था द्वारा आज बोकारो के आकांक्षी प्रखंड गोमिया के ससबेडा पश्चिमी, कसमार, दांतू, खैराचतर, चास, बहादुरपुर, कमलडीह, कस्तूरबा विद्यालय गोमिया, तेनुघाट में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर सहयोगिनी ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए। संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों से कानून लागू करने वाली एजेंसियों व जिला प्रशासन के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए सहयोगिनी ने पिछले एक वर्ष में ही 235 बाल विवाह रुकवाए हैं। बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और गति व मजबूती देने वाली सरकार की इस घोषणा का स्वागत करते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने कहा, यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब लाएगा। सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नई ऊर्जा व रफ्तार देगा। इस समन्वय और सामूहिक संकल्प से हम जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति आश्वस्त हैं और अब इस अपराध को छिपने के लिए कहीं भी जगह नहीं मिलेगी। सौ दिन के इस गहन जागरूकता अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है और इसका आखिरी चरण 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर समाप्त होगा। इसका पहला चरण 31 दिसंबर तक चलेगा जिसमें स्कूलों, कालेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता के प्रसार पर जोर रहेगा। एक जनवरी से 31 जनवरी के बीच दूसरे चरण में मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे जैसे धार्मिक स्थलों पर जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, बैंक्वेट हाल, और बैंड वालों जैसे विवाह में सेवाएं देने वालों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तीसरा और आखिरी चरण 8 मार्च तक चलेगा।

मजदूरों को टेंशन फ्री करें प्रबंधन दुर्घटना रूकेगी : बि के चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील मे बढते दुर्धटना , इस्पातकर्मी एवं ठेकाकमीर्यों के समस्याओ को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से चलाये जा जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज बोकारो जनरल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी प्रभारी कार्यालय के सामने जोरदार आक्रोश प्रर्दशन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त महामंत्री शंकर कुमार ने किया । उपस्थित कर्मचारीयों ने मजदूरों मे भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हम सभी अनुबंधकर्मी स्थायी प्रबृति का काम कर रहे है। गन्दगी साफ,वार्ड बाय, पेथोलोजी, इ सी जी,ड्राइबर,नर्स लेकिन इसी जगह समान काम करने बाले कुछ ठेका मजदूरों को सभी प्रकार का भत्ता दिया जाता है ,लेकिन सेकडो मजदूर को इससे बंचित रखा गया है साईकिल स्टेन्ड मे हमलोगों को साईकिल या मोटरसाइकिल रखने नही दिया जा रहा है। लोउन्ड्री मे काम करने बालो को ई एल ,बोनस का भुगतान नही किया जा रहा है। एयर कन्डीशन मे ठेकेदार को जितना मजदूर नियमयत रखना चाहिए उसमे भी कटोती किया हुआ है हमलोग बिजली से सम्बंधित काम करते है लेकिन द्वितीय पाली और रात्री पाली मे अकेले काम करना पडता है।

बीएसएल में आपात स्थितियों से निपटने के लिए वृहद पैमाने पर मॉक-ड्रिल आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बीएसएल में गैस रिसाव को लेकर वृहद पैमाने पर मॉकड्रिल आयोजित किया गया जिसमे बीएसएल के कई विभागों जैसे गैस सेफ्टी, सेफ्टी, ब्लास्ट फर्नेस, प्लांट कंट्रोल, चिकित्सा सेवाएं, बीएसएल सिक्योरिटी इत्यादि के अलावा सीआईएसएफ, जिला-प्रशासन और एनडीआरएफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गैस स्राव के किसी आपदा में तैयारियों का जायजा लेने के लिए किये गए इस मॉकड्रिल में ऐसी आपदा से निपटने के लिए परिचालनीय तैयारी, त्वरित प्रक्रिया का समय, सम्बंधित एजेंसियों को दुर्घटना सम्बन्धी सूचना की सम्प्रेषणीयता, चिकित्सीय व्यवस्था की मुस्तैदी और एकाधिक एजेंसियों के शामिल रहने की स्थिति में उनके बीच

के समन्वय और कमान-श्रृंखला जैसे कई पहलुओं की परख हुई ताकि समय आने पर बचाव अभियान सुचारु रूप से सफल हो सके। प्रातः लगभग ११ बजे से शुरू हुई ये मॉकड्रिल डेढ़ घंटे तक चली. मॉकड्रिल में इस तरह के आपात स्थिति को निपटने के लिए रही तैयारी के सभी प्रमुख बिंदु संतोषजनक पाए गए. मॉकड्रिल के दौरान चिन्हित स्थानों पर नियुक्त पर्यवेक्षकों ने मॉकड्रिल के परिणामों की चर्चा के लिए बुलाई बैठक में अपने अवलोकनों को एक दूसरे के साथ साझा किया। इस मॉकड्रिल के दौरान बोकारो इस्पात संयंत्र तथा जिला प्रशासन के सभी वरीय अधिकारी यथा जिला उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक अनूप कुमार दत्त, डीडीसी सुश्री शताब्दी मजूमदार, एसडीएम चास सुश्री प्रांजल ढाडा सहित बोकारो इस्पात संयंत्र एवं जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी घटना की तैयारी के लिए बने इंसिडेंट पोस्ट पर मौजूद रहें।

विभिन्न पंचायतों मे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : मरकच्चो प्रखंड क्षेत्र के दक्षिणी मध्य व पपलो पंचायतों में गुरुवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा मौके पर ही कई मामलों का निष्पादन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, राशन कार्ड, आवास योजना, मनरेगा, जाति प्रमाण पत्र ,आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र समेत अन्य योजनाओं के लिए आवेदन लिए गए।वहीं कई लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र भी वितरित किए गए। मौके पर पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों से योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। पदाधिकारी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। पपलो पंचायत में प्रखंड विकास पदाधिकारी हुला महतो, मुखिया चिंता देवी , संजू यादव, उत्क्रमित उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक राजु यादव के द्वारा उत्क्रमित उच्च विद्यालय अंबाडीह के 20 बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। मध्य पंचायत मरकच्चो में अंचल अधिकारी परमेश्वर कुशवाहा के द्वारा आंगनबाड़ी बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया। वहीं दक्षिणी पंचायत में बाल विवाह रोक थाम के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी हुलास महतो मुखिया दीपक कुमार पांडे अधिवक्ता धीरज पांडे ने ग्रामीणों को शपथ दिलायी।मौके पर दक्षिणी पंचायत मुखिया दीपक पांडे,पूर्व मुखिया अनुराधा सीता,पपलो पंचायत मुखिया चिंता देवी,संजू यादव,सुरेन्द्र यादव, मध्य पंचायत मुखिया रानी सिंह, रवि शंकर सिंह रिंकू, मुकेश दास, राजेश कुमार यादव, दीपक कुमार,कृष्णा सिंह, समेत प्रखण्ड कर्मी व अंचलकर्मी उलस्थित थे।

सेक्टर 3 क्लब का जिर्णोद्धार: एक करोड़ 17 लाख खर्च, फिर भी कर्मचारियों के लिए सुविधाओं का अभाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 3 क्लब के जिर्णोद्धार में अब तक लगभग 1 करोड़ 17 लाख 61 हजार रुपये खर्च किए जाने के बावजूद, कर्मचारियों के लिए यहां कोई सुविधाजनक व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। यह जानकारी बीएसकेएस अध्यक्ष हरिओम ने आरटीआई के माध्यम से प्राप्त की है। प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सेक्टर 3 क्लब में दो लकड़ी के बैडमिंटन कोर्ट बनाए गए हैं, जिनमें भारी रकम खर्च की गई है। इसके बावजूद, क्लब न तो अभी तक चालू हुआ है और न ही कर्मचारी सदस्य बने हैं। क्लब में बैठने के लिए टेबल-कुर्सी, इंडोर गेम की उचित व्यवस्था, वॉलीबाल कोर्ट व लॉन की उचित देखभाल जैसे बुनियादी सुविधाएं भी गुमनाम हैं। लॉन की चारदीवारी कम ऊंचाई की होने के कारण उसमें मिट्टी भरी हुई है ।क्लब में न तो कैंटीन की

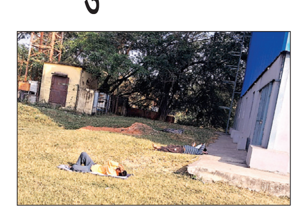

व्यवस्था है और न ही जीम व योगा सेंटर उपयोग में हैं। इसके अलावा, क्लब के बाहर न तो किसी प्रकार की सजावट की गई है और न ही प्रकाश व सजावटी पौधों का प्रबंध किया गया है। सुरक्षा के लिए क्लब पर 24 घंटे सिर्फ एक होम गार्ड तैनात है, जो स्पष्ट रूप से अपर्याप्त माना जा रहा है। यह जिर्णोद्धार कार्य 16 सितंबर 2023 को पूरा हो चुका है, जबकि क्लब के सौंदर्यीकरण की आधारशिला दिनांक 1 जून 2023 को रखी गई थी ।हरिओम ने कहा कि बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन केवल अधिकारी वर्ग की सुविधा पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिसका प्रमाण है कि अधिकारी वर्ग के लिए दो क्लब बनाए गए हैं।

गैरसरकारी संगठन बनवासी विकास आश्रम का संकल्प, साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन बनवासी विकास आश्रम ने कहा कि वह कोडरमा को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। ह्य100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियानह्न जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और

आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेषध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। बनवासी विकास आश्रम देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़ेनेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर बनवासी विकास आश्रम ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए। संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है। बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और गति व मजबूती देने वाली सरकार की इस घोषणा का स्वागत करते हुए सुरेश कुमार शक्ति ने कहा, यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब लाएगा ।सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नईऊर्जा व रफ्तार देगा। इस समन्वय और सामूहिक संकल्प से हम जिले को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति आश्वस्त हैं और अब इस अपराध को छिपने के लिए कहीं भी जगह नहीं मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

बीजीएच में महिला कर्मियों के लिए विशेष मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

बोकारो : इस्पात संयंत्र द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्धन, निवारक स्वास्थ्य देखभाल को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 27 नवंबर 2025 को बोकारो जनरल अस्पताल के हेल्थ रिट्रीट परिसर में सीआईएसएफ की महिला कर्मियों एवं सीआईएसएफ संरक्षिका की महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अधिशासी निदेशक डॉ. बी. बी. करुणामय के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीआईजी नीति मित्तल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अनिन्दा मंडल, डॉ. इन्द्रनील चौधरी, एसीएमओ प्रभारी डॉ. दीपक कुमार सहित बोकारो जनरल अस्पताल के अन्य चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे। शिविर के दौरान महिलाओं की ऊँचाई, वजन, बॉडी मास इंडेक्स (इटक), रक्तचाप, ईसीजी, रक्त परीक्षण, कैंसर स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें की गईं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व अक्टूबर माह में भी बीएसएल की महिला कर्मचारियों एवं बोकारो महिला समिति की सदस्याओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसमें लगभग 300 महिला कर्मचारियों एवं 48 समिति सदस्याओं की जांच की गई थी। बोकारो इस्पात संयंत्र महिला स्वास्थ्य संरक्षण और निवारक चिकित्सा को बढ़ावा देने की दिशा में निरंतर प्रयास करता रहा है। इस स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि रोगों से बचाव उपचार से अधिक प्रभावी है। नियमित स्वास्थ्य जांच न केवल बीमारियों की प्रारंभिक पहचान में सहायक होती है, बल्कि महिलाओं के संपूर्ण स्वास्थ्य, सुरक्षा और कार्य क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

बोकारो आरपीएफ की बड़ी करवाई कोसी सुपर एक्सप्रेस के जनरल कोच में मिला अवैध शराब

बोकारो: गुरुवार को एएसआई डी.के. द्विवेदी, एएसआई मनोज कुमार एवं एएसआई एल.बी. रे के साथ ट्रेन नंबर 18626 कोसी सुपर एक्सप्रेस की जांच-पड़ताल कर रहे थे। जांच के दौरान जनरल कोच में सफेद रंग का एक लावारिस झोला मिला ।ट्रेन के यात्रियों से पूछताछ करने पर कोई भी उस झोले पर अपना दावा नहीं कर सका। सघन जांच में झोले से कुल 07 शराब की बोतलें बरामद हुईं, जिनमें रॉयल स्टैग की 2 बोतलें (750 एमएल), ओल्ड मंक की 4 बोतलें (3 बोतलें 750 एमएल, 1 बोतल 180 एमएल), तथा इंपीरियल ब्लू की 1 बोतल (375 एमएल) शामिल हैं। बरामद शराब की कीमत लगभग 4150 रुपये आंकी गई है ।एएसआई डी.के. द्विवेदी ने उक्त शराब को जब्त कर बोकारो आरपीएफ पोस्ट लाकर सुरक्षित रखा। आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु यह शराब एक्साइज डिपार्टमेंट को सौंप दी जाएगी। प्रशासन ने कहा है कि इस तरह की अवैध शराब तस्करी पर सख्त नजर रखी जा रही है और समय-समय पर इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्रिजली विद्यालय ने इंटर-स्कूल वाद-विवाद प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

कोडरमा : ग्रिजली विद्यालय के लिए यह अत्यंत गौरव का क्षण है कि विद्यालय ने मॉडर्न पब्लिक स्कूल में आयोजित इंटर-स्कूल वाद-विवाद प्रतियोगिता 2025 में टीम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता में कुल बारह विद्यालयों ने भाग लिया, जिनमें ग्रिजली विद्यालय की टीम ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता का विषय था—"क्या झारखण्ड को जनजातीय संस्कृतियों और भाषाओं के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए"इस महत्वपूर्ण और समसामयिक विषय पर ग्रिजली विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। कक्षा || की प्राप्ति भगत ने पक्ष में ठोस एवं प्रभावी तर्क प्रस्तुत किए, कक्षा ककी श्रेया विजय जायसवाल ने विपक्ष में सशक्त विचार रखे, तथा कक्षा कके क्रांति दक्ष ने इंटरजेक्टर के रूप में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। टीम ने आत्मविश्वास, तार्किक प्रस्तुति, भाषा कौशल और मंचीय दक्षता से निर्णायकों एवं श्रोताओं की सराहना अर्जित की। प्रतियोगिता के लिए छात्रों को मेंटर सुधांशु कुमार और सुबोध कुमार का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, जिनके निर्देशन में टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह सम्मान हासिल किया। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और उत्कृष्ट तैयारी का परिणाम है। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने विद्यार्थियों की तैयारी, दृष्टिकोण और मंचीय प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस सफलता ने विद्यालय की शैक्षणिक परंपरा को और सुदृढ़ बनाया है। इस अवसर पर निदेशक द्वय मनीष काप्सीमे एवं अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, सीओओ तनिष्क सेठ, प्राचार्या अंजना कुमारी, संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल संयोजक सुधांशु कुमार, सीसीए संयोजक राजीव रंजन सिंह, तथा अन्य शिक्षकों ने पूरी वाद-विवाद टीम, उनके मेंटर्स तथा अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी ।यह उपलब्धि न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान, अभिव्यक्ति और विश्लेषणात्मक क्षमता को दशार्ती है, बल्कि झारखण्ड की जनजातीय संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय पर उनकी संवेदनशीलता और गहरी समझ को भी उजागर करती है।

एक नजर

लालपुर में 2 बाइक सवार लूटेरों ने एक व्यक्ति से की 1.30 लाख की लूट

रांची : लालपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े उस समय सनसनी फैल गई, जब बाइक सवार दो अपराधियों ने एक व्यक्ति से 1.30 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए। पीड़ित फिलोमोन बा, जो कोकर स्थित पाहन टोली के रहने वाले हैं, बैंक ऑफ इंडिया कोकर शाखा से राशि निकालकर टोटो से घर लौट रहे थे। जैसे ही टोटो लालपुर थाना के पास पहुंचा, पीछे से आए बाइक सवार अपराधियों ने वाहन को ओवरटेक किया और पलक झपकते ही फिलोमोन बा के हाथ से रुपयों से भरा बैग झपटकर भाग निकले। घटना इतनी तेजी से हुई कि पीड़ित और आसपास मौजूद लोग प्रतिक्रिया भी नहीं दे पाए, जबकि अपराधी भीड़भाड़ वाले इलाके से कुछ ही सेकंड में ओझल हो गए। सूचना मिलते ही लालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित से पूरी जानकारी ली। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, जिससे अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा सके। पुलिस का मानना है कि अपराधी संभवतः बैंक से ही पीड़ित का पीछा कर रहे थे।

जेएससीए के कुप्रबंधन के कारण खेल प्रेमी टिकट से वंचित : नायक

रांची : झारखंड की राजधानी रांची में 30 नवंबर को होने वाले भारत–दक्षिण अफ्रीका वनडे क्रिकेट मैच से पहले टिकटों की कालाबाजारी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस मामले पर गंभीर नाराजगी प्रकट की है। नायक ने आरोप लगाया कि टिकटों की बड़े पैमाने पर ब्लैक मार्केटिंग की जा रही है, जिससे झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों में गहरी निराशा फैल गई है और वे अंतर्राष्ट्रीय मैच देखने के अवसर से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश के क्रिकेट के सुनहरे भविष्य के लिए ठीक नहीं है और झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) को इस पर जवाब देना चाहिए। विजय शंकर नायक ने आशंका जताई कि टिकटों की कालाबाजारी के पीछे किसी संगठित रैकेट की भूमिका हो सकती है। नायक के अनुसार, 1,600 रुपये वाली टिकटें 4,000 से 5,000 रुपये में और 2,200 रुपये की टिकटें 4,000 रुपये में बेची जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जेएससीए द्वारा ऑनलाइन टिकट बिक्री शुरू करने के कुछ ही मिनट बाद उन्हें 'सोल्ड आउट' घोषित कर दिया गया। इसके बाद आम लोगों के लिए काउंटर से भी टिकट मिलना बेहद कठिन हो गया। नायक ने इसकी जांच की मांग करते हुए कहा कि क्रिकेट फैंस के साथ यह खुला अन्याय है और जिम्मेदार अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

चुटिया थाना के बाहर खड़ी जब्त गाड़ियां बनी जाम का कारण

रांची : रांची में सिरमटोली पुल निर्माण कार्य चल रहा है जिस कारण से बहु बाजार चौक से सिरामटोली की ओर जाने वाले मुख्य रास्ते को अस्थायी रूप से डाइवर्ट कर दिया गया है। रूट बदले जाने के कारण इस मार्ग पर निरंतर जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में इस डाइवर्ट किए गए रास्ते में चुटिया थाना भी आता है, जहां एक और बड़ी समस्या से लोगों को परेशानी हो रही है। चुटिया थाना के बाहर कई वर्षों से प्रशासन द्वारा जब्त की गई गाड़ियां खड़ी हैं, जो अब जर्जर होकर सड़क के कुछ हिस्से पर कब्जा कर चुकी हैं। मौजूद लोगों का कहना है कि ये गाड़ियां इतने सालों से वहीं खड़ी हैं कि सड़क अपने–आप काफी छोटी हो गई है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर आईजी ने की विधि-व्यवस्था की समीक्षा, दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार के गठन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर 28 नवंबर को मोराबादी मैदान में एक भव्य नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित होने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान सुदृढ़ विधि-व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा बल की उचित प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने के संबंध में आज एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता रांची जोनल आईजी मनोज कौशिक के द्वारा किया गया। समीक्षा के क्रम में, आईजी और एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल और उसके आसपास की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित सभी पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को इस आयोजन के सफलतापूर्वक और शांतिपूर्ण समापन के लिए विस्तार से ब्रीफ किया। इस दौरान भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश और निकास बिंदुओं की स्पष्ट व्यवस्था सुनिश्चित करने, विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा और त्वरित प्रतिक्रिया टीम की तैनाती के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी, ग्रामीण एसपी, ट्रैफिक एसपी समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को लेकर रांची के ट्रैफिक में बदलाव

रांची : रांची के मोरहाबादी मैदान में 28 नवंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नियुक्ति पत्र का वितरण करेंगे। इसे लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किया गया है। ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने गुरुवार को बताया कि शहर में 28 नवंबर की सुबह 6 से रात के 10 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित किया गया है। भारी मालवाहक वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त नो इंट्री का समय पूर्ववत रहेगा। इस दौरान एसएसपी आवास, दिवंगत दिशोम गुरु आवास, अतिथि शाला, मोरहाबादी टीओपी, रेडक्रास वाले रोड में सामान्य वाहन का परिचालन भी वर्जित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने रांची शहर के सभी नागरिकों से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम के रूट मार्ग में चारपहिया वाहनों का उपयोग न करें। कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए फुटबॉल मैदान रांची कॉलेज मोरहाबादी, आर्मी मैदान मोरहाबादी, टीआरआई मैदान और डीआईजी ग्राउंड में पार्किंग स्थल बनाया गया है।

रांची में भारतीय टीम की तैयारी तेज, जेएससीए में शुरू हुई प्रैक्टिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में 30 नवंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच को लेकर टीम इंडिया ने गुरुवार से अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जो खिलाड़ी कल तक रांची पहुंच चुके थे, वही आज जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम परिसर में प्रैक्टिस में उतरे। बाकी खिलाड़ियों की टीम आज शाम रांची पहुंचेगी और वे कल से अपना अभ्यास शुरू करेंगे। गुरुवार को हुए नेट सेशन में खिलाड़ियों ने फिटनेस से लेकर बैटिंग-बॉलिंग तक सभी पहलुओं पर जमकर पसीना बहाया। टीम के कप्तान रोहित शर्मा नेट्स में लंबे समय तक बल्लेबाजी करते दिखे। उनके सामने राज्य के तेज और स्पिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी कराई, ताकि वे मैच के लिए अच्छी लय में आ सकें। रोहित ने नेट्स में ड्राइव, पुल और बैकफुट शॉट्स पर खासतौर पर फोकस किया।

मरीज सेवा से खिलवाड़ नहीं चलेगा, शव रोकने वाले अस्पताल होंगे सील : इरफान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के चाणक्य होटल में गुरुवार को आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे– झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. इरफान अंसारी। इस कार्यक्रम के साथ ही झारखंड में स्वास्थ्य व्यवस्था के व्यापक सुधार के लिए आयोजित बैठक को एक निर्णायक मोड़ माना जा रहा है। मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को स्पष्ट आग्रह किया कि राज्य की जनता के स्वास्थ्य को सर्वोच्च

प्राथमिकता दें। झारखंड में सभी आयुष्मान कार्ड धारकों को अब डिजिटल कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे लाभार्थियों को मिलेगी तेज और सरल प्रक्रिया,पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं और अस्पतालों में बिना बाधा उपचार।साथ ही राज्य सरकार ₹15 लाख तक की स्वास्थ्य सुरक्षा देने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि मरीज की मृत्यु पर शव रोके जाने की घटनाएँ अमानवीय हैं।जो भी निजी अस्पताल यह हरकत करेगा, उसे अभिलंब सील किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल चलाना केवल व्यवसाय नहीं, बल्कि सेवा का कार्य है। सरकार अस्पतालों का भुगतान, आवंटन और सुविधाएं तो दे रही है– लेकिन मानवता और संवेदनशीलता अस्पताल प्रबंधन को दिखानी होगी।

514 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बताने के मामले में एचसी ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हाई कोर्ट ने 514 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बताकर सरेंडर कराने के मामले में राज्य पुलिस की भूमिका पर गंभीर नाराजगी जताई है। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति दर्ज की कि इतने संवेदनशील और गंभीर मामले में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की जगह कनीय अधिकारी द्वारा शपथ पत्र दाखिल किया गया। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मौखिक रूप से कहा कि ऐसे मामलों में उच्च पुलिस अधिकारियों को स्वयं शपथ पत्र दाखिल करना चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और मामले की गहराई तक जाया जा सके। अदालत ने निर्देश दिया कि अब इस मामले में डीजीपी को व्यक्तिगत रूप से शपथ पत्र दाखिल करना होगा। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार ने तर्क दिया कि डीएसपी रैंक के अधिकारी से शपथ पत्र इसलिए दाखिल कराया गया, ताकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी पर प्रश्नचिन्ह न लगे और उन्हें बचाया जा सके। यह जनहित याचिका झारखंड काउंसिल फॉर डेमोक्रेट राइट्स द्वारा दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि झारखंड के 514 आदिवासी युवाओं को फर्जी नक्सली बताकर जबरन सरेंडर कराने की पूरी घटना की जांच कराई जाए। पूर्व की सुनवाई में हाईकोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से यह स्पष्ट करने को कहा था कि क्या इन 514 युवाओं को सीआरपीएफ में नौकरी दिलाने के नाम पर रांची के पुराने जेल कंपाउंड, जेल रोड में रखकर प्रशिक्षण दिया गया था और यदि हाँ, तो क्या इस प्रशिक्षण की कोई कानूनी वैधता थी। याचिका में यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि युवाओं को सीआरपीएफ में नौकरी देने का लालच दिया गया और फिर उन्हें फर्जी नक्सली दिखाकर सरेंडर कराया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए हो गंभीर प्रयास : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार से अपील की है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि दवाइयां और स्वास्थ्य सुविधाएं ऐसी मूलभूत आवश्यकताएं हैं जिनका समय पर मिलना बेहद जरूरी है। मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार का अबुआ दवाखाना खोलने का प्रस्ताव, यदि मूर्तरूप में उन ग्रामीण इलाकों और मरीजों तक दवाइयां पहुंचा सकता है जहां दवा और इलाज के अभाव में लोगों की जान चली जाती है, तो यह झारखंड के हित में एक अच्छा कदम होगा। मरांडी ने कहा कि चतरा के 67 मरीजों की जिंदगी मुख्यमंत्री बीमारी सहायता निधि का खजाना खाली होने के कारण अधर में लटक रही है। मद में राशि नहीं होने के कारण गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज इलाज नहीं करवा पा रहे हैं। असहाय महसूस कर रहे उनके परिजन प्रतिदिन सिविल सर्जन कार्यालय के चक्कर लगाते-लगाते थक चुके हैं। मरांडी ने कहा कि पांच लाख रुपए बहुत बड़ी रकम होती है और इससे किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति की जान बच सकती है, परंतु समय पर यह राशि ना मिले तो इसकी कीमत कुछ भी नहीं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे इस मामले में तुरंत कार्रवाई करें और मरीजों को समय पर इलाज मुहैया कराएं।

भारतीय स्कूली वॉलीबॉल टीम के प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों का रांची में हुआ सम्मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची में झारखंड वॉलीबॉल संघ की ओर से चल रहे भारतीय स्कूली वॉलीबॉल टीम के प्रशिक्षण शिविर में आज प्रशिक्षक वैशाली पारदरे, डॉ. शैलेश कुमार, डॉ. संतोष पवार और जीवा (साई प्रशिक्षक) को सम्मानित किया गया। शिविर में प्रशिक्षण ले रहे सभी खिलाड़ियों को भी सम्मान मिला।

सम्मान मिलने पर प्रशिक्षक वैशाली पारदरे, जो 22 साल तक भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं, ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि उनकी खेल यात्रा झारखंड वॉलीबॉल संघ के वरिष्ठ सदस्य शेखर बोस की देखरेख में सब-जूनियर वर्ग से शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि गुरु के हाथों मिला यह सम्मान उनके लिए सम्मान और गर्व की बात है। डॉ. शैलेश कुमार ने कहा कि वर्ष 2021 में उन्होंने झारखंड में एक विभागीय प्रतियोगिता में खिलाड़ी के रूप में भाग लिया था।

आज भारतीय स्कूली टीम के प्रशिक्षक के रूप में योगदान देना उनके लिए बड़ी खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि झारखंड वॉलीबॉल संघ हमेशा खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को प्रोत्साहित करता आया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। संघ के संरक्षक शेखर बोस ने प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि झारखंड से जो खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, वे देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी और प्रशिक्षक ही संघ की असली ताकत हैं। कार्यक्रम के दौरान रांची के बालक खिलाड़ियों और भारतीय स्कूली टीम के बीच एक प्रदर्शनी मैच भी खेला गया।

इस अवसर पर उत्तम राज (सचिव, झारखंड वॉलीबॉल संघ), भोला प्रताप सिंह (चेयरमैन, RDBA), अमरजीत सिंह खरे (उपाध्यक्ष), उपेंद्र सिंह (उपाध्यक्ष), संजय कुमार (कार्यकारी सचिव), संजय कुमार ठाकुर (आयोजन सचिव), विकास वर्मा (कोषाध्यक्ष), अमित कुमार (अध्यक्ष, दुमका), राजेश गुप्ता साथ ही रांची जिला वॉलीबॉल संघ के कई खिलाड़ी, प्रशिक्षक और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

उच्च न्यायालय ने टीजीटी नियुक्ति से जुड़ी 363 याचिकाओं का एक साथ किया निपटारा

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने टीजीटी (ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर) नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित सभी 363 लंबित याचिकाओं पर गुरुवार को एक साथ फैसला सुनाते हुए उन्हें निपटा दिया। इन सभी मामलों की सुनवाई न्यायमूर्ति आनंदा सेन की एकल पीठ में हुई। अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा कि सभी याचिकाओं में तथ्य और कानूनी बिंदु समान हैं। इसलिए इनका निपटारा मीना कुमारी बनाम झारखंड कर्मचारी चयन आयोग मामले में पारित आदेश के आधार पर किया जा रहा है। इन याचिकाओं में अधिवक्ता चंचल जैन, अजय कुमार पाठक, तेजस्विता सफलता, शुभम मिश्रा, अमृतांश वत्स, अभिजीत इंद्र गुरु समेत कई अन्य वकीलों की ओर से दाखिल मामले भी शामिल थे। अदालत ने सभी पर समान निर्णय लागू करते हुए अंतिम रूप से निस्तारण कर दिया। उच्च न्यायालय ने सुनवाई के दौरान यह भी स्पष्ट किया कि यदि मीना कुमारी केस में आगे अपील के दौरान कोई संशोधन या नया आदेश आता है, तो उसका प्रभाव स्वतः इन सभी निस्तारित याचिकाओं पर भी लागू होगा। झारखंड उच्च न्यायालय का यह फैसला टीजीटी अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि न्यायालय ने सभी मामलों पर एकसमान निर्णय देकर न्यायिक स्थिरता और पारदर्शिता सुनिश्चित की है।

झारखंड में ठंड से राहत के लिए 79 लाख रुपये जारी, मंत्री ने दिए अलाव की व्यवस्था के निर्देश

रांची : झारखंड में बढ़ती ठंड और शीतलहरी को देखते हुए राज्य सरकार सक्रिय हो गई है। गुरुवार को आपदा प्रबंधन प्रभाग के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने समीक्षा बैठक कर सभी 24 जिलों के उपायुक्तों को कुल 79 लाख रुपये की त्वरित राहत राशि आवंटित की है। मंत्री ने निर्देश दिया कि मुख्य चौक–चौराहों, भीड़भाड़ वाले स्थानों, बाजारों, रेलवे स्टेशनों और अन्य सार्वजनिक जगहों पर तुरंत अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही रात्रि में जिला प्रशासन की चलंत टीमों को तैनात करने का आदेश दिया गया है, ताकि बेघर, बुजुर्ग और गरीबों को तत्काल सहायता मिल सके। डॉ. अंसारी ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ठंड से किसी व्यक्ति को परेशानी नहीं होनी चाहिए। जरूरतमंदों को तुरंत राहत मिले, यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि आवंटित राशि को जिला स्तर पर आवश्यकतानुसार खर्च किया जाएगा, ताकि अलाव और अन्य राहत कार्य बिना देरी शुरू हो सकें। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि शीतलहरी का सबसे अधिक प्रभाव गरीब और बेसहारा लोगों पर पड़ता है। इसी वजह से तात्कालिक राहत राशि जारी की गई है, ताकि प्रशासन तेजी से कार्रवाई कर सके।

जेल में भोजन की गुणवत्ता में कमी हुई तो जेलर जिम्मेदार : हाई कोर्ट

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल, होटवार समेत राज्य की सभी जेलों में कैदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच का आदेश दिया है। कोर्ट ने झारखंड लीगल सर्विस अथॉरिटी (झालसा) और जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के चेयरमैन और सेक्रेटरी को जेलों का औचक निरीक्षण कर दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। गुरवार को हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ आकाश कुमार राय की क्रिमिनल अपील पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट के 18 नवंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में जेल अधीक्षक सुदर्शन मुर्मू और जेलर लौकुश कुमार कोर्ट में पेश हुए। जेलर ने कोर्ट को बताया कि अब कैदियों को जेल मैनुअल के अनुसार भोजन दिया जा रहा है। गृह सचिव और आईजी जेल ने भी शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि राज्य के सभी जेलों में भोजन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। कोर्ट ने झालसा के सदस्य सचिव को सभी डालसा चेयरमैन को आदेश की प्रति भेजने और सभी डालसा चेयरमैन व सेक्रेटरी को जेलों का औचक निरीक्षण कर दो सप्ताह में भोजन की गुणवत्ता पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भोजन की गुणवत्ता में कमी या किसी भी अनियमितता के लिए अब जेलर सीधे जिम्मेदार होंगे। इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 दिसंबर की तिथि निर्धारित की गई है।

झारखंड में ठंड का कहर जारी, न्यूनतम तापमान पहुंचा पांच डिग्री

रांची : झारखंड में इन दिनों पछुआ हवाओं के कारण ठंड कहर बरपा रही है। राज्य में न्यूनतम तापमान गिरकर पांच डिग्री तक पहुंच गया है। गुरुवार को सिमडेगा में न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसी तरह राज?य के अन्य जिलों में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट लगातार जारी है। खूंटी में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 6 डिग्री, लोहरदगा में 7.3 डिग्री, डालटेनगंज में 8 डिग्री और रांची में एक डिग्री की गिरावट के साथ तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन दिन भी पछुआ हवाएं चलीं जो तीर की तरह लोगों को चुभ रही थी। राजधानी में ठंड की स्थिति ऐसी रही कि दिन में भी धूप के बावजूद भारी कनकनी महसूस की गई। इसके चलते लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। लोगों को भारी ठंड के चलते दैनिक के काम में देरी हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोडडा में 29.7 डिग्री और सबसे कम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस सिमडेगा में रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को रांची में अधिकत तापमान 22.4 डिग्री, जमशेदपुर में 26.6 डिग्री, डालटेनगंज में 27.4, बोकारो में 23.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 28.2 डिग्री, खूंटी में 24.9, लोहरदगा में 21.7, लातेहार में 18.2 डिग्री, सरायकेला में 36.3, गोडडा में 29.7 डिग्री और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

लापता बच्चों पर बहस को अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत

देश में हर साल बड़ी संख्या में बच्चे लापता होते हैं। उच्चतम न्यायालय में हाल में इस गंभीर मसले पर सुनवाई के दौरा न्यायमूर्ति नागरत्ना ने मौखिक टिप्पणी की, 'मैंने समाचार पत्र में पढ़ा है कि देश में हर आठ मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है।' उच्चतम अदालत ने टिप्पणी की कि गोद लेने की प्रक्रिया कठोर होने के कारण, इसका उल्लंघन होना स्वाभाविक है और लोग बच्चे पैदा करने के लिए अवैध तरीके अपनाते हैं। अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के लिए छह सप्ताह का समय मांगा। मालूम हो कि अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लापता बच्चों के मामलों को देखने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित मिशन वात्सल्य पोर्टल पर प्रकाशन के लिए उनके नाम और संपर्क विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दे। अदालत ने इससे पहले केंद्र से लापता बच्चों का पता लगाने और ऐसे मामलों की जांच के लिए गृह मंत्रालय के तत्वावधान में एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल बनाने को कहा था। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में लापता बच्चों का पता लगाने के काम में लगे पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय की कमी को रेखांकित किया था। अदालत ने कहा था कि पोर्टल पर प्रत्येक राज्य से एक समर्पित अधिकारी का नाम- फोन नंबर आदि हो सकता है जो सूचना प्रसारित करने के अलावा गुमशुदगी की शिकायतों का प्रभारी भी हो सकता है। पूर्व में एक एनजीओ ने अदालत का रुख किया था और अपहरण किए जा चुके या लापता बच्चों के अनसुलझे मामलों के अलावा भारत सरकार की तरफ से निगरानी किए जाने वाले खोया/ पाया पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के आधार पर की जाने वाली कार्रवाई पर प्रकाश डाला था। बच्चों का गायब होना सचमुच चिंताजनक है। बच्चों के लापता होने के कई कारण हैं, जिनमें अपराध, तस्करी, हत्या और देह व्यापार आदि की आशंकाएं प्रबल हैं। इसमें प्रशासनिक लापरवाही एक बड़ा कारण हो सकती है, जिसमें सुधार की आवश्यकता हमेशा देखी जाएगी। भारत में गुमशुदा या लापता बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, हर साल मानव तस्करी में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। विधि आयोग द्वारा न्यायिक नीति पर जारी संक्षिप्त पुस्तक में भी इस समस्या पर प्रकाश डाला गया है। इस क्षेत्र में सबसे पहले लापता बच्चों का सुराग लेने और तस्करी से जुड़े सभी संपर्कों के लिए कानूनी बदलाव की तुरंत आवश्यकता है। वर्ष 2013 और 2014 के बीच कम से कम 6,700 बच्चे लापता हुए। इनमें से 45 प्रतिशत बच्चे अवयस्क थे, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार, मानव तस्करी के पीछे अनेक कारण होते हैं। जबरन विवाह, बाल श्रम, घरेलू नौकर और लैंगिक शोषण इसके पीछे मुख्य कारण हैं। बच्चों की सुरक्षा किसी राष्ट्र के नैतिक मूल्यों से जुड़ी होती है। भारत को भी इस मोर्चे पर सुधार की जरूरत है। वर्ष 2024-25 में लगभग 45 हजार बच्चों को शोषण से बचाया गया है। इनमें से 90 प्रतिशत को बालश्रम में लगाया गया था। एनसीआरबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 47 हजार से अधिक बच्चे लापता सूची में हैं। इनमें से 71.4 प्रतिशत नाबालिग लड़कियां हैं। अधिकांश लापता बच्चों को बाल-श्रम, भीख मांगने या यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है। हालांकि खोया-पाया जैसे नागरिक प्लेटफार्म ने कुछ बच्चों को उनके परिवार से जुड़ने में मदद की है। लेकिन असली रोकथाम ऐसे रैकेट और प्रतिष्ठानों में शामिल व्यक्तियों पर तुरंत मुकदमा चलाने से होगा, जहां बच्चों को रखा जाता है, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

अनंत संभावनाओं के बीच अनंत चुनौतियां भी हैं हेमन्त सोरेन के समक्ष

विजय केसरी

28 नवंबर को हेमन्त सोरेन अपने दूसरे मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल के एक वर्ष पूरा कर दूसरे वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं। वे आज के ही दिन झारखंड के 14 वें मुख्यमंत्री के रूप रांची के मोराबादी मैदान में एक भव्य समारोह में शपथ लिए थे। उन्होंने झारखंड के 25 वर्ष पूरा होने पर 'अनंत विकास की संभावनाओं' से संबंधित कई बड़े-बड़े पोस्टरों के माध्यम से प्रांत के तीव्र गति से विकास करने की घोषणा की थी। यह झारखंड प्रांत के लिए एक अच्छी खबर है। वही हेमंत सोरेन को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि जहां उन्होंने अनंत विकास की संभावनाओं की बात कही है, वहीं दूसरी ओर इस प्रांत में अनंत चुनौतियां भी उनके समक्ष हैं। राज्य में बढ़ती बेरोजगारी, पलायन, कनेक्टिविटी की समस्या, अपराध, खस्ताहाल झारखंड की सड़के, झारखंड के बेहाल सरकारी अस्पताल, सिंचाई की घोर समस्या, बाधित विद्युत आपूर्ति आदि अनन्त चुनौतियां भी हैं, जिसे सिर्फ घोषणाओं से पूरी नहीं की जा सकती है। इन चुनौतियां के समाधान के लिए एक योजना बद्ध तरीके से कार्य करने की जरूरत है। इसके लिए सरकार के पास दृढ़ इच्छा शक्ति और मजबूत कार्य योजना पर चलने की जरूरत है। तभी इन अनंत चुनौतियों को अनंत विकास की संभावनाओं में तब्दील किया जा सकता है।

देखते ही देखते एक हेमंत सोरेन सरकार का वर्ष बीत गया। शेष चार वर्ष और भी बीत जाएंगे। फिर चुनाव का सिलसिला शुरू हो जाएगा। तब फिर कोई न कोई नई सरकार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में अस्तित्व में आएगी। अगर हेमंत सोरेन का शेष कार्यकाल झारखंड के विकास की दिशा में कुछ करिश्मा कर दिखाया तो वापसी निश्चित है। अन्यथा विपक्ष भी पूरी एड़ी चोटी लगाकर हेमंत सोरेन को गद्दी से उतरने में लगा हुआ है। हेमंत सोरेन चुनाव से पूर्व झारखंड की जनता से कई वादे किए थे। उन्होंने कहा था कि झारखंड खुद रोजगार सृजन करेगा। राज्य से पलायन नहीं होने देंगे। राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे। झारखंड की तस्वीर बदल कर रख देंगे। उन्होंने अपनी ओर से यह पूरी कोशिश की है कि अधिक से अधिक बेरोजगार झारखंडियों को सरकारी नौकरी मिले। इस निमित्त उन्होंने कई अवसरों पर झारखंड के बेरोजगारों को सीधे नियुक्ति पत्र प्रदान पत्र किया । अब सवाल यह उठता है कि जितनी संख्या में झारखंड प्रांत में बेरोजगारी बढ़ती चली जा है, क्या उस अनुपात में नौकरियां लोगों मिलीं हैं? राज्य सरकार द्वारा दी गई नौकरियां ऊंट के मुंह में जीरा का फौरन के समान है। वहीं दूसरी ओर झारखंड से पलायन बदस्तूर जारी है। इस प्रांत के लाखों की संख्या लोग में देश के विभिन्न प्रांतों में छोटी-छोटी नौकरियों कर जीविकोपार्जन करने के लिए विवश हैं। यह सच है कि देश का लगभग चालीस प्रतिशत खनिज संपदा झारखंड के पास अकेले हैं। झारखंड

से खनिज संपदा के दोहन से देश के दूसरे अन्य राज्य मालामाल हो रहे हैं। लेकिन झारखंड का राजकोषीय घाटा बड़ता ही चला जा रहा है।

2024 के संपन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में एक नया चेहरा कल्पना सोरेन के रूप में उभर कर सामने आया था। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज की और झारखंड के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने में सफल रहीं । इसका लाभ झारखंड मुक्ति मोर्चा को जीत के रूप में मिला । कल्पना सोरेन, हेमंत सोरेन के लिए एक मजबूत पार्टी कार्यकर्ता मिल गईं। वह देखते ही देखते झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक स्टार प्रचारक भी बन गईं। हेमंत सोरेन ने चंपई सोरेन पर भरोसा कर एक राजनीतिक भूल की थी। चंपई सोरेन के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम लिया था। तब लगा था कि झारखंड मुक्ति मोर्चा को इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा, लेकिन कल्पना सोरेन ने ऐसा होने नहीं दिया। उन्होंने बहुत ही मजबूती के साथ हेमंत सोरेन का पक्ष रखा कि कैसे ईडी केंद्र सरकार के इशारे पर उनके पति हेमंत सोरेन पर बर्बरता पूर्ण कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया था। इस बात की सहानुभूति अर्जित करने में कल्पना सोरेन सफल रहीं। चंपई सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ने का कोई भी नुकसान पार्टी को नहीं हुआ बल्कि पार्टी और भी मजबूती के साथ स्थापित होती चली गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक अस्वस्थ रहने के कारण विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन का साथ नहीं दे पाए थे । वे बराबर बीमारी रह रहे थे। इसके बावजूद हेमंत सोरेन प्रांत के चौदहवें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिए। कुछ ही महीने बीते थे कि शिबू सोरेन इस दुनिया से चले गए। हेमंत सोरेन ने अपने पिता के निधन के बाद एक कर्तव्यनिष्ठ पुत्र की तरह उनका क्रिया कर्म किया। इसका उन्हें राजनीतिक माइलेज भी मिला। सहानुभूति भी मिली।

2024 के विधानसभा चुनाव से पूर्व सीता सोरेन जो हेमंत सोरेन की अपनी भाभी भी हैं,झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ दिया और भारतीय जनता पार्टी का हाथ थाम लिया था। तब भी लोगों को लगा था कि सीता सोरेन के झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ने से पार्टी को काफी नुकसान होगा, लेकिन जिस रूप में झारखंड मूर्ति मोर्चा ने विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज की उससे प्रतीत होता है कि सीता सोरेन के पार्टी छोड़ने से कुछ भी फर्क नहीं पड़ा। चूंकि कल्पना सोरेन के रूप में एक बहुत ही मजबूत साथी झारखंड मुक्ति मोर्चा को मिल गया था। कल्पना सोरेन, हेमंत सोरेन की पत्नी हैं। उन पर पूरी तरह विश्वास किया जा सकता है । हेमंत सोरेन ने कल्पना सोरेन पर भरोसा कर बड़ा अच्छा निर्णय लिया। अगर हेमंत सोरेन जेल नहीं गए होते तब शायद जिस रूप में कल्पना सोरेन, झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए उभर कर सामने आईं, शायद नहीं आ पातीं। झारखंड सरकार के लिए हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की जोड़ी बहुत लोकप्रिय हो रही है। लेकिन यह जोड़ी झारखंड से अपराध को कम करने में पूरी तरह असफल रह रही है। यह बेहद चिंता की बात है।

किसी भी राज्य के विकास के लिए शांत माहौल होना बहुत जरूरी है। अन्यथा नए उद्यमी झारखंड में उद्योग लगाएंगे कैसे? हेमंत सोरेन सरकार को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। झारखंड में बढ़ते अपराध को देखकर लोगों को यहां आने में डर लगने लगता है। आए दिन डकैती, लूट पाट,चोरी, मर्डर की बातें आम हो गई हैं। इसलिए सबसे पहले अपराध पर अंकुश लगाना हेमंत सोरेन सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। झारखंड में महागठबंधन की सरकार है। हेमंत सोरेन महागठबंधन की सरकार चलाने में सफल जरूर हुए हैं। उन्होंने महा गठबंधन का विकास भी पूरी तरह प्राप्त कर लिया है। लेकिन गठबंधन में शामिल मंत्रियों के बयान आए दिन हेमंत सोरेन सरकार के लिए परेशानी का सबब बनते चले जा रहे है। यह हेमंत सोरेन सरकार की सेहत के लिए अच्छी बात नहीं है। पिछले दिनों एस आई आर के मामले में प्रांत के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बीएलओ के कर्मचारियों के प्रति जिस तरह का गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है, झारखंड सरकार को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है। हेमंत सोरेन सरकार को अगर अपना शेष कार्यकाल पूरा करना है, तो उन्हें सबसे पहले अपने मंत्रियों के वक्तव्य पर लगाम लगाना बहुत जरूरी है । अन्यथा हेमंत सोरेन सरकार में शामिल मंत्रियों के बयान सरकार के लिए भस्मासुर साबित होकर रहेंगे

हेमंत सोरेन सरकार को कदापि यह नहीं भूलना चाहिए कि 2024 झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में विजय दर्ज कर परचम लहराने में सफल हुआ था। क्या आगे भी सफल रहेगा? इसलिए झारखंड की चुनौतियों को सच्चे अर्थों में अनंत विकास की संभावनाओं में तब्दील करना ही होगा। झारखंड का विपक्ष कमजोर नहीं है बल्कि किसी भी मायने में महागठबंधन को सिक्स्त देने की ताकत रखता है। पिछले दिनों बिहार विधानसभा के हुए चुनाव परिणाम को देखकर यह बात साफ तौर पर खुलकर आई कि जनता का वोट सरकार के कामकाज पर ही मिल पाती है, अन्यथा जनता बाय-बाय बोलने में तनिक भी देर नहीं करती है।

देश में श्रमिकों की पूजा, मेहनत का फल दूजा

डॉ. मनसुख मांडविया

कई दशकों तक भारत कमजोर आर्थिक विकास, गहरे भ्रष्टाचार और रोजगार सृजन व श्रमिक कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के अभाव से जूझता रहा। राजनीतिक उद्देश्यों से होने वाले घेराव और बंदी ने बार-बार औद्योगिक गतिविधियों को बाधित किया, निवेश को रोका और व्यवस्था में विश्वास को कम किया। यह दुख की बात है कि पिछली सरकारों ने श्रमिक कल्याण को केवल नारों तक सीमित कर दिया और श्रमिकों के वास्तविक मुद्दों को गंभीरता से लेने में विफल रहीं। इस जड़ता को तोड़ने के लिए देश के नेतृत्व में एक बड़ा बदलाव जरूरी था। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने "श्रमेव जयते" का आह्वान किया और कहा कि भारत की विकास यात्रा के केंद्र में श्रम की गरिमा यानी मजदूरों का सम्मान होना चाहिए। यह केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक नई राष्ट्रीय सोच की शुरूआत थी, जिसमें नीतियां बनाते समय श्रमिकों को केंद्र में रखा गया।

ऐसे बदलाव की जरूरत बहुत समय से महसूस की जा रही थी। भारत के ज्यादातर श्रम कानून 1920 से 1950 के बीच बने थे और उनमें औपनिवेशिक सोच की झलक रहती थी। दूसरी ओर, दुनिया में काम करने का तरीका पूरी तरह बदल चुका था। गिग और प्लेटफार्म में अर्थव्यवस्था का बढ़ना, डिजिटल कामकाज, लचीली कार्य संरचनाएं और नए प्रकार के उद्यम तेजी से उभर रहे थे। लेकिन भारत के पुराने श्रम कानून समय के साथ नहीं बदले, और आधुनिक कार्यबल या प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहे थे। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पंच प्रण के माध्यम से यह संदेश दिया कि हमें औपनिवेशिक मानसिकता छोड़कर भविष्य की जरूरतों के अनुसार आगे बढ़ना चाहिए। पुराने कानून इसलिए नहीं बने रहे क्योंकि वे अच्छे थे, बल्कि इसलिए क्योंकि पिछली सरकारों में उन्हें बदलने का राजनीतिक साहस, इच्छा शक्ति और दूरदृष्टि की कमी थी। बदलती परिस्थितियों और देश की जरूरतों के अनुसार उन्हें आधुनिक बनाने की हिम्मत किसी ने नहीं दिखाई।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का वैश्विक कद अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दुनिया मानती है कि भारत अब भविष्य को आकार देने में केवल भाग नहीं ले रहा है, बल्कि उसे परिभाषित करने में भी मदद कर रहा है। लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण का सही अर्थों में लाभ उठाने और संभावनाओं को दीर्घकालिक समृद्धि में बदलने के लिए, भारत औपनिवेशिक काल के उस श्रम ढांचे से बंधा नहीं रह सकता जो सशक्तिकरण के बजाय नियंत्रण के लिए बनाया गया था।

इसलिए, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, औपचारिकता का विस्तार और सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव आवश्यक था। इस राष्ट्रीय आवश्यकता को समझते हुए मोदी सरकार ने स्वतंत्र भारत के सबसे महत्वपूर्ण सुधारों में से एक को लागू किया। पहले के 29 बिखरे हुए श्रम कानूनों को मिलाकर चार सरल और स्पष्ट श्रम संहिताएं बनाई गईं- वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता।

21 नवंबर 2025 को ये श्रम संहिताएं लागू हो गईं। ये संहिताएं मिलकर एक आधुनिक श्रम ढांचा स्थापित करती हैं जो श्रमिक-समर्थक और विकास-समर्थक दोनों है, और यह दिखाता है कि भारत अब तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार है। संसद द्वारा 2019 और 2020 में श्रम संहिताओं को पारित किया गया था। कई राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, श्रमिक संघों और उद्योग निकायों ने उनके प्रगतिशील इरादे का स्वागत किया है। उनकी खूबियों को पहचानते हुए सभी राजनीतिक दलों के राज्यों ने संहिताओं के अनुसार से अपने श्रम कानूनों में बदलाव किए। उदाहरण के लिए, जिन राज्यों ने महिलाओं को उनकी सहमति और पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ रात में काम करने की अनुमति दी है, वहां कुल महिला रोजगार में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

सभी क्षेत्रों के स्टेकहोल्डर्स ने एक पुरानी हो चुकी श्रम प्रणाली से आगे बढ़ने की आवश्यकता को पहचाना है। उनके योगदान ने एक संतुलित ढांचा तैयार करने में मदद की है जो श्रमिकों की सुरक्षा करता है और साथ ही अर्थव्यवस्था को विकसित होने में भी सक्षम बनाता है। श्रमिकों और इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मेरी बातचीत में जो बात हमेशा सामने आई है वह कार्यस्थल पर स्पष्टता, निष्पक्षता और सम्मान की आवश्यकता पर बल देती है। इसी मार्गदर्शक सिद्धांत ने हमारे सुधारों को आकार दिया है, जिसने एक जटिल और बिखरे हुए सिस्टम को एक ऐसे सिस्टम से बदल दिया है जो सरल, पारदर्शी और हर श्रमिक की सुरक्षा करने वाला है।

श्रम संहिताएं अपने मूलभाव और अक्षरशः रूप में नियोक्ताओं की अपेक्षाओं को संतुलित करते हुए श्रमिकों के हितों को प्राथमिकता देती हैं। वे निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देती हैं और सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करती हैं। ये संहिताएं ऑडियो-विजुअल श्रमिकों और गिग तथा प्लेटफॉर्म श्रमिकों को औपचारिक मान्यता प्रदान करती हैं। ये अखिल भारतीय ईएसआईसी कवरेज को सक्षम बनाती हैं, 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए वार्षिक स्वास्थ्य जांच अनिवार्य करती हैं, जिनमें पहले बाहर रखे गए बागान श्रमिक भी शामिल हैं। साथ ही ये राज्यों में असमानताओं को कम करने के लिए सभी श्रमिकों के लिए वैधानिक न्यूनतम वेतन की गारंटी देती हैं। अनिवार्य नियुक्ति पत्र, पक्की पे स्लिप और सवेतन वार्षिक अवकाश जैसे प्रावधान हर श्रमिक को अधिक स्थिरता, सम्मान और सुरक्षा प्रदान करते हैं।

कॉन्ट्रैक्ट आधारित रोजगार के एक प्रगतिशील विकल्प के रूप में, संहिताओं में फिक्स्ड टर्म एम्प्लॉयमेंट (एफटीई) यानी निश्चित अवधि के रोजगार की शुरूआत की गई है। एफटीई के तहत, एक निश्चित अवधि के लिए नियोजित श्रमिकों को स्थायी कर्मचारियों के समान ही वेतन, लाभ और काम करने की स्थितियां प्राप्त होती हैं, जिनमें सवेतन अवकाश, काम के तय घंटे, चिकित्सा सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य वैधानिक सुरक्षाएं शामिल हैं। विशेष रूप से, एफटीई कर्मचारी केवल एक वर्ष की निरंतर सेवा के बाद ही ग्रेच्युटी के लिए पात्र हो जाते हैं। संहिताएं आधुनिक कार्यस्थलों की वास्तविकताओं को भी स्वीकार करती हैं। यदि कोई कर्मचारी स्वेच्छा से मानक घंटों से अधिक काम करना चुनता है, तो उसे ओवरटाइम के लिए नॉर्मल सैलरी रेट से दोगुना पैसा मिलना चाहिए, जिससे हर परिस्थिति में निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।

नारी शक्ति इन सुधारों का एक केंद्रीय स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी के महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के दृष्टिकोण से निर्देशित, ये संहिताएं महिलाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में शामिल होने के नए रास्ते खोलती हैं–जिनमें अंडरग्राउंड खदानों, भारी मशीनरी और नाइट शिफ्ट में काम करना शामिल हैं–बशर्ते इस पर उनकी सहमति हो और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों।

इसके साथ ही, संहिताएं सिंगल रजिस्ट्रेशन, सिंगल लाइसेंस और सिंगल रिटर्न फाइलिंग की शुरूआत करके नियोक्ताओं पर कम्प्लायंस के बोझ को काफी कम करती हैं। यह सरलीकरण उद्योगों को पूरे भारत में अपनी यूनिट्स का विस्तार करने और स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिससे स्थानीय रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। भारत की सामाजिक सुरक्षा 2015 में 19 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 64.3 प्रतिशत होने की विश्व में प्रशंसा हुई है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने भारत की प्रयासों को माना है, जबकि अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संघ ने सामाजिक सुरक्षा में बेहतरीन काम के लिए भारत को पुरस्कार प्रदान किया है। इन संगठनों ने भी नई श्रम संहिता को आधुनिक, प्रगतिशील और श्रमिकों के अनुकूल बताया है। इन दूरगामी लाभों के बावजूद, यह स्पष्ट है कि ज्यादातर आलोचना सुधारों की समझ से नहीं, बल्कि उन मजबूत राजनीतिक हितों से होती है जो बदलाव नहीं चाहते हैं। जो लोग असर के लिए पुराने और अस्?पष्?ट ०?यवस्?था पर भरोसा करते थे, वे अब एक पारदर्शी, कुशल और श्रमिक-केंद्रित ढांचे से सहज नहीं हैं। इन संहिताओं से आए अच्छे बदलाव को मानने के बजाय, उन्होंने भ्रामक जानकारी फैलाना चुना है।

सूडोकु नवताल- 7627

★★★✫☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7626 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

ललित गर्ग

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो 'बुकलेट्स' और 'शिकायतें' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता।

दैनिक पंचांग

28 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

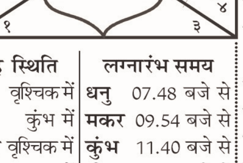

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृश्चिक में
चंद्र	कुंभ में
मंगल	वृश्चिक में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	वृश्चिक में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
धनु	07.48 बजे से
मकर	09.54 बजे से
कुंभ	11.40 बजे से
मीन	13.13 बजे से
मेष	14.43 बजे से
वृष	16.23 बजे से
मिथुन	18.22 बजे से
कर्क	20.35 बजे से
सिंह	22.51 बजे से
कन्या	01.03 बजे से
तुला	03.14 बजे से
वृश्चिक	05.28 ब.से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 332 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 00.16 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 02.50 बजे रात्र को समाप्त। **योग** व्याघात 11.05 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 12.29 बजे तदनन्तर बव 00.16 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 7.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 21° 18' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872542 **जूलियन दिन** 2461007.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 06 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कुकड़ू में हुआ 15वां जिला क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप का हुआ आयोजन

ईचागढ़ : कुकड़ु प्रखंड क्षेत्र के तिरुलडीह शहीद चौक में 15वां जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें जिलेभर के सैकड़ों धावकों ने भाग लेकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उद्घाटन समारोह में जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला सहित खेल संघ व क्लब के पदाधिकारी मौजूद रहे। हालांकि, प्रतियोगिता के समापन के बाद आयोजन प्रबंधन में मिली गंभीर खामियों को लेकर अभिभावकों और खिलाड़ियों में नाराजगी देखी गई। प्रतियोगिता में मेडिकल टीम की अनुपस्थिति, और संशोधित पुराने सर्टिफिकेट वितरण जिसमें अध्यक्ष का नाम गलत दर्ज पाया गया, मुख्य विवाद का कारण रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला ने भी त्रुटी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि स्वयं माना कि इस खेल का सूचना सिर्फ एक दिन पूर्व मिली। उन्होंने कहा कि यह प्रशासनिक और प्रबंधन स्तर पर गंभीर त्रुटि है, और इसकी जांच व सुधार आवश्यक है।बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, जिला खेलों में मेडिकल टीम और सही प्रमाण–पत्र अनिवार्य हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन से बात कर त्रुटी का सुधार सुनिश्चित किया जाएगा। अभिभावकों का कहना था कि जिला स्तरीय खेल के लिए समय पर आधिकारिक सूचना, मेडिकल टीम की उपलब्धता, नए एवं प्रमाणिक सर्टिफिकेट वितरण जैसे मूलभूत मानकों का पालन जरूरी है, ताकि बच्चों की सुरक्षा और भविष्य के अवसर प्रभावित न हों।

गैरसरकारी संगठन अग्रगति का संकल्प साल भर में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पूरे देश से बाल विवाह को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से उत्साहित गैरसरकारी संगठन अग्रगति के परियोजना प्रभारी की शंकर दत्त ने कहा कि वह रामगढ़ को साल भर के भीतर बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, ने एक लक्षित रणनीति तय की है। इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। अग्रगति देश में बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। इसके 250 से भी अधिक सहयोगी संगठन देश के 451 जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए जमीन पर काम कर रहे हैं। पिछले एक वर्ष में ही इस नेटवर्क ने देश में एक लाख से ज्यादा बाल विवाह रोके हैं। 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के 27 नवंबर को एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर अग्रगति ने स्कूलों, ग्रामीण समुदायों और अन्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पूरे जिले में जगह-जगह बाल विवाह के खिलाफ शपथ समारोह आयोजित किए। संगठन ने जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया और उन्हें समझाया कि कानून के अनुसार बाल विवाह में किसी भी तरह से शामिल होने या सहायता करने वालों जिसमें शादी में आए मेहमान, कैटरर्स, टेंट वाले, बैंड वाले, सजावट वाले या बाल विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहित, सभी को इस अपराध को बढ़ावा देने के जुर्म में सजा हो सकती है। पिछले कुछ वर्षों से कानून लागू करने वाली एजेंसियों व जिला प्रशासन के साथ करीबी समन्वय से काम करते हुए अग्रगति ने पिछले एक वर्ष में ही 333 बाल विवाह रुकवाए हैं। बाल विवाह के खिलाफ जारी अभियान को और गति व मजबूती देने वाली सरकार की इस घोषणा का स्वागत करते हुए किरण शंकर दत्त ने कहा, "यह 100 दिवसीय गहन अभियान देश की दिशा बदलने वाला साबित होगा और हमें प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के करीब लाएगा। सदियों से हमारी बेटियों को अवसरों से वंचित किया गया है और विवाह के नाम पर उन्हें अत्याचार, शोषण और बलात्कार की ओर धकेला गया है। जन प्रतिनिधियों, सरकारी विभागों, कानून लागू करने वाली एजेंसियों और समुदायों का अभूतपूर्व तरीके से एक साथ आना, बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता और प्रयासों को नई ऊर्जा व रफ्तार देगा।

देवेंद्रनाथ महतो ने वंशजों के साथ बुली महतो के प्रतिमा का किया अनावरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड का इतिहास बेहद गौरवशाली रहा है। देश के स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड के कई वीर-वीरांगनाओं का इतिहास रहा है। अत्याधुनिक ऐतिहासिक अनुसंधान से बुली महतो का साक्ष्य प्राप्त हुआ है। कोल विद्रोह एवं भूमिज विद्रोह में नेतृत्व प्रदान किया था। आज गुरुवार को भकुवाडीह मोड़ सोनाहातु में वीर बुली महतो के वास्तविक स्वरूप में भ्वय प्रतिमा का अनावरण किया गया। वंशज,ग्राम प्रधान व पाहन के साथ सिल्ली विधानसभा पूर्व प्रत्याशी देवेंद्रनाथ महतो ने विधिवत अनावरण किया। पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित कर आशीर्वाद ग्रहण किया। वंशज परिवार को चिन्हित करते हुए मोमेटो भेंट कर सम्मानित किया गया। देवेंद्र नाथ महतो ने स्कूली बच्चों व भारी भीड़ के साथ बाजार टांड सोनाहातु से तिरंगा पदयात्रा करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। पदयात्रा करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के दौरान पुलिस प्रशासन से थोड़ी बहसबाजी भी हुई। वंशजों के साथ शिलापट अनावरण के बाद श्री देवेन्द्र नाथ महतो ने स्थानीय सत्ताधारी विधायक को भी आड़े हाथ लेते हुए प्रशासन के साथ कार्यक्रम में व्यवधान का आरोप लगाया। श्री महतो ने कहा कि विधायक,सांसद का पद बिल्कुल टेंपरेरी होता है। लेकिन स्वतंत्रता सेनानी और आंदोलनकारी का विचारधारा अमर होती है। हम लोग स्वतंत्रता सेनानी वीर भूली महतो के पदचिन्हों पर चलते हुए अन्याय के खिलाफ आंदोलनरत हैं। बताते चलें कि अनावरण के उपरांत वीर बुली महतो के आंदोलन के पटकथा को दिखाते हुए नाटिका प्रस्तुत किया गया। स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकल कल्चरल संगीत प्रस्तुत किया गया। जिस पर देवेंद्रनाथ महतो वंशज परिवार के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

चांडिल डैम का बढ़ा जलस्तर, विस्थापित अधिकार मंच एवं जेएलकेएम ने दी तीखी प्रतिक्रिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : चांडिल डैम का जलस्तर अचानक बढ़ने से कई विस्थापित गांवों के खेतों में पानी घुस गया, जिससे पके धान भी नष्ट होने के कगार पर है। इस संबंध में विस्थापित अधिकार मंच फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश रंजन एवं जेएलकेएम के केन्द्रीय प्रवक्ता विद्रोही बिष्णु ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि चांडिल डैम के रसुनिया, बाबुचामदा, तिलाईटांड़, दयापुर, झापागोड़ा, कुमारी, केंदाआंदा सहित दर्जनों गांवों में बाड़ का स्थिति उत्पन्न हो गया है, धान की तैयार फसलें डुब रहा है। प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जिस विश्वास और उम्मीद से यहां के लोगों ने अपनी घर, मकान, जमीन, जायदाद देकर दर दर की ठोकरें खाने को मजबुर है। कहा कि विस्थापित क्या अन्याय किया कि असमय विस्थापितों का फसलों को डुबोया जा रहा है। विस्थापितों को न ही घर , नौकरी, समुचित मुआवजा और न ही सम्पूर्ण पुनर्वास का लाभ मिला है। नेताओं ने कहा कि सरकार और विभाग को अवगत कराया जा रहा है कि डैम का गेट अविलंब खोल कर जलस्तर घटाया जाय , अन्यथा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

छोटानागपुर कल्याण निकेतन का संकल्प, एक वर्ष में बनाएंगे बाल विवाह मुक्त

सिमडेगा : भारत सरकार के 100 दिवसीय गहन अभियान के तहत सिमडेगा में बाल विवाह के खिलाफ विशेष पहल की शुरूआत सी डी पी ओ शिला कुमारी, डी सी पी यू सुमित्रा बराइक, ए एच टी यू थाना प्रभारी सिमडेगा, महिला थाना प्रभारी, एस आई महिला थाना और अन्य संबंधित अधिकारियों ने संयुक्त रूप से की। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के स्टेकहोल्डर और आंगनबाड़ी सेविकाएं भी बड़ी संख्या में शामिल थीं। इस पहल से प्रेरित होकर छोटानागपुर कल्याण निकेतन ने घोषणा की है कि वह सरकारी एजेंसियों और समुदायों के सहयोग से अगले एक वर्ष में सिमडेगा को बाल विवाह मुक्त जिला बनाने के लिए काम करेगा। अभियान की वर्षगांठ पर संगठन ने स्कूलों, पंचायतों और समुदायों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम और शपथ समारोह आयोजित किए। छोटानागपुर कल्याण निकेतन, देश के प्रमुख बाल अधिकार नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है, जिसने बीते वर्ष एक लाख से अधिक बाल विवाह रोकने में अहम भूमिका निभाई है। निदेशक प्रियंका सिन्हा ने कहा कि यह सामूहिक प्रयास जिले में बड़ा सामाजिक परिवर्तन लाएगा और बेटियों की सुरक्षा और अधिकारों को मजबूत करेगा।

महिला समूह और स्कूली बच्चों के बीच चेक का वितरण

पटमदा : पटमदा प्रखंड के बंगाल सीमावर्ती क्षेत्र में बसे ओड़िया पंचायत में सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत सरकार की लाभकारी योजनाओं का तत्काल लाभ देने का प्रयास शिविर में किया गया संबोधन में ओड़िया पंचायत की मुखिया सावित्री सिंह सरदार ने कहा कि झारखंड सरकार की जन लाभकारी योजनाओं से पंचायत के जनता को लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाया गया है ताकि सभी जनता अपने पंचायत ने पहुंचे प्रखंड के सभी कर्मचारियों के हाथों योजनाओं का लाभ उठा सके।इस दौरान पार्षद खगेन महतो,मुखिया सावित्री सिंह सरदार, सीओ डॉ राजेंद्र दास,उप मुखिया सहदेव महतो, मनसाराम पाउरी सहित कई लोग मंच में उपस्थित थे।वही बनकुचिया पंचायत में भी पंचायत के मुखिया गुरुचरण हेंब्रम ने परिसंपति वितरण के साथ संबोधित किया।उन्होंने कहा कि योजनाओं से सीधा लाभ दिलाने के लिए पंचायत स्तर पर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम लगाकर पंचायत की जनता को लाभ दिलाने के उद्देश्य से लगाया गया।इस दौरान प्रखंड,अंचल के पदाधिकारी,जनप्रतिनिधि और जनता उपस्थित थे।प्रशासन द्वारा सभी विभाग का स्टॉल लगाकर विभिन्न जन लाभकारी योजना से जुड़ी फार्म भरवाया गया।

अंतरराष्ट्रीय झारखंड मानवाधिकार दिवस हेतु पूर्व सीएम रघुवर दास को किया आमंत्रण

जमशेदपुर : मनोज किशोर अध्यक्ष के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल माननीय रघुवर दास, पूर्व राज्यपाल,उड़ीसा प्रदेश तथा पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड प्रदेश से मुलाकात किया। आगामी 10 दिसंबर को 'अंतरराष्ट्रीय झारखंड मानवाधिकार' दिवस के कार्यक्रम में उन्हें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रतिनिधि मंडल में सर्वश्री मनोज किशोर,खेमलाल चौधरी, दिनेश कुमार कीनू, मनोज सिंह शामिल थे।

आपकी योजना- आपकी सरकार आपके द्वार में शामिल हुए विधायक सविता महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड के मैसाड़ा व बांदु में पंचायत स्तरीय आयोजित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को विधायक सविता महतो ने दीप प्रज्वलित कर किए। इस दौरान विधायक ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोग अधिक से अधिक ले। उन्होंने कहा यह शिविर पंचायत स्तर पर सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभुकों तक पहुँचाने, आवेदन और शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने और ग्रामीणों में सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने नजदीकी पंचायत/वार्ड में आयोजित शिविर में उपस्थित होकर अपने आवेदन और शिकायत दर्ज कराएँ और अपने आस-पास के लोगों को भी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित करें। इस शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित स्टॉलों का निरीक्षण विधायक ने किया और योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी एकता वर्मा, अंचलधिकारी दीपक प्रसाद, जिप सदस्य ज्योति लाल मांझी, मुखिया ठाकुर दास मांझी, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, विधायक के बेटी स्नेहा महतो, प्रखंड अध्यक्ष नीताई उरांव, अभय यादव, धरमु गोप, सुदामा हेंब्रम एवं सम्बंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिंडाल्को मुरी द्वारा दिव्यांगजन एवं टीबी मरीजों के लिए मानवीय पहल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : समाजिक उत्तरदायित्व की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, मुरी के सीएसआर विभाग ने गुरुवार के दिन एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत दिव्यांगजन और टीबी मरीजों के बीच आवश्यक सामग्री का वितरण किया।कार्यक्रम के दौरान करीब 10 ट्राइसाइकल दिव्यांगजन भाइयों-बहनों को प्रदान किए गए,जिससे उनकी गतिशीलता और आत्मनिर्भरता में वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।इसके साथ ही सिल्ली प्रखंड के लगभग 60 टीबी मरीजों को बढ़ती ठंड को ध्यान में रखते हुए कंबल एवं पोषण किट भी वितरित किए गए, जिससे उनके स्वास्थ्य-सहायता प्रयासों को मजबूती मिल सके। यह वितरण हिंडाल्को के बिजनेस सीएसआर हेड अभिजीत तथा प्लांट हेड संदीप पाटिल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि हिंडाल्को का लक्ष्य सिर्फ उद्योग संचालन तक सीमित नहीं,बल्कि समाज के उन वर्गों तक सहायता पहुँचाना है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। हिंडाल्को की यह पहल पुनः सिद्ध करती है कि कंपनी समाज के समग्र विकास,स्वास्थ्य संरक्षण और मानवीय सहयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

संविधान दिवस पर मूलनिवासी एवं वामसेफ ने निकाला पदसंचालन जुलूस, अंबेडकर प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सिमडेगा : 26 नवंबर 2025 संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय संविधान के सम्मान में मूलनिवासी और वामसेफ के संयुक्त तत्वावधान में भव्य पदसंचालन एवं गणसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सिमडेगा नगर भवन से हुई, जहां से संगठन के सदस्यों ने जोश और संविधान के प्रति सम्मान भाव के साथ जुलूस निकाला। जुलूस नगर भवन से प्रारंभ होकर झूलन सिंह चौक, महावीर चौक, वीर बुद्धू भगत चौक होते हुए अंबेडकर चौक तक पहुंचा। यहां संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने संविधान निमार्ता बाबासाहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा
नए समाहरणालय भवन, ब्लॉक–ए,द्वितीय तल्ला
दूरभाष: 06525–225835 फैक्स: 225836
E-mail:- ssasimdega@yahoo.co.in
सर्व शिक्षा अभियान सब पढ़ें सब बढ़ें

पत्रांक 1118(समग्र) दिनांक 27/11/2025

अति–अल्पकालीन निविदा संबंधी आवश्यक सूचना

निदेशक, जे0सी0ई0आर0टी0, राँची के पत्रांक– 1506 दिनांक– 07.11.2025 के आलोक में झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा जिला के सरकारी एवं गैर–सरकारी सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित), KGBV/JBAV/NSCBAV के कक्षा 1 से 7 तक विद्यार्थियों का अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र/ प्रश्नपत्र–सह–उत्तर पुस्तिका एवं रिपोर्ट कार्ड इत्यादि मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य हेतु इच्छुक निविदादाता/फर्म/संस्थान/प्रतिष्ठान निविदा प्रपत्र एवं शर्तों के अधीन दिनांक– 27.11.2025 से 04.12.2025 तक सिमडेगा जिला के अधिकारिक वेबसाईट www.simdega,nic,in से डाउनलोड करते हुए भरा हुआ निविदा प्रपत्र दिनांक– 04.12.2025 के अपराह्न 1:00 बजे तक झारखण्ड शिक्षा परियोजना कार्यालय, समाहरणालय भवन ब्लॉक–ए, द्वितीय तल्ला, खुंटीटोली, जिलाः–सिमडेगा, पिन कोडः–835223 में रजिस्टर्ड डाक अथवा स्वयं/प्रतिनिधि के माध्यम से हाँथों–हाथ जमा कर सकते हैं एवं दिनांक 04.12.2025 को 03:00 बजे अपराह्न में जिला क्रय समिति की उपस्थिति में निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष कार्यालय में खोली जायेगी। निर्धारित तिथि के बाद कोई भी निविदा डाक अथवा हाँथों–हाथ प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा

PR 367244 (Simdega)25-26*D

सेवा का अधिकार सप्ताह : सरायकेला-खरसावां जिले के 19 पंचायतों एवं विभिन्न वार्डों में शिविर आयोजित, 28 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : खरसावां गुरुवार को "सेवा का अधिकार सप्ताह" के चौथे दिन जिले के 19 ग्राम-पंचायतों एवं नगर निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में विशेष पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में ग्रामीणों की व्यापक एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली और बड़ी संख्या में नागरिक विभिन्न सेवाओं तथा कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा कर रहे हैं। अब तक जिले में 28,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उपायुक्त, सरायकेला-खरसावां नितिश कुमार सिंह ने सभी विभागीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों तथा अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि प्रत्येक आवेदन का लाभ समय पर संबंधित आवेदक तक पहुंच सके। आज जिले के सरायकेला प्रखंड के नुआगांव एवं छोटादावना, कुचाई प्रखंड के छोटासेगोई और गोमियाडीह, खरसावां प्रखंड के तेलाईडीह और जोरडीह, राजनगर प्रखंड के टिंटिडीह, गोविंदपुर और बड़ासीजुलता, गम्हरिया प्रखंड के नुवागढ़, यशपुर और दुगधा, चांडिल प्रखंड के रुदिया और चांडिल, नीमडीह प्रखंड के तिल्ला, इचागढ़ प्रखंड के मौसाडा और बांदु, तथा कुकडू प्रखंड के बेरासीसिरूम पंचायतों में शिविरों का सफल आयोजन किया गया। नगर निकाय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में भी शिविर लगाए गए, जहाँ नागरिकों की समस्याओं एवं सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन स्वीकार किए गए और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविरों में आय, जाति, आवासीय, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, दाखिल-खारिज, राशन कार्ड, भूमि धारण प्रमाण-पत्र, भूमि मापी, दिव्यांग, विधवा एवं वृद्धा पेंशन सहित झारखंड राज्य सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 के अंतर्गत विभिन्न सेवाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही स्वयं सहायता समूह (रलत्रः) एवं क्लस्टर सदस्यों के बीच आईडी कार्ड का वितरण भी किया गया। 21 से 29 नवंबर तक संचालित इस अभियान में जिलेवासियों की सक्रिय भागीदारी लगातार जारी है, जिससे योजना संचालन की प्रभावशीलता और अधिक बढ़ी है।

कार्यालय, जिला परिषद्, कोडरमा

अतिअल्पकालीन नीलामी (3rd Call)
हाट–बाजार, जयनगर एवं मरकच्चो

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि केवल एक वर्ष (06 दिसम्बर 2025 से 30 नवम्बर 2026 तक) के लिए प्रखण्ड जयनगर एवं मरकच्चो अन्तर्गत पूर्ण रूप से तैयार हाट–बाजार की बंदोबस्ती उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, कोडरमा के कार्यालय कक्ष/सभागार में निम्नांकित तिथि को सम्पन्न की जायेगी–

क्र0सं0	हाट–बाजार का नाम	सुरक्षित जमा राशि	जमानत की राशि	तिथि	समय
1	2	3	4	5	6
1	पेठियाबागी हाट–बाजार, जयनगर प्रखण्ड	1,00,000.00	10,000.00	03/12/2025	03:00 बजे अपराह्न
2	हाट–बाजार, मरकच्चो प्रखण्ड	3,00,000.00	30,000.00	03/12/2025	03:00 बजे अपराह्न

इच्छुक डाकवक्ता उपरोक्त कॉलम 04 में अंकित राशि का बैंक ड्राफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, कोडरमा के पदनाम से देय होगा एवं बैंक ऑफ महाराष्ट्र, कोडरमा शाखा में भुगतेय होगा। आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर डाक से पूर्व जमा कर डाक में भाग ले सकते हैं। नियमावली एवं भार्त कार्यालय के सूचना पट्ट एवं कोडरमा जिले के वेबसाईट www.koderma.nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–
उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,जिला परिषद्, कोडरमा।

PR.NO.367205 Panchayati Raj(25-26):D

एक नजर

एसडीओ के वाहन को मारी टक्कर, ट्रैक्टर जब्त

साहिबगंज: जिला के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के रकसी स्थान-मिजाचौकी सड़क पर गुरुवार को अज्ञात ट्रैक्टर ने सदर एसडीओ अमर जॉन आइन्द के वाहन को धक्का मार दिया। इधर दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर फरार होने की कोशिश करने लगा। जिसके बाद मुफ्फसिल थाना पुलिस ने ट्रैक्टर का पीछा किया। चालक ट्रैक्टर छोड़ कर फरार हो गया। मुफ्फसिल थाना पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

कीटनाशक सेवन से युवक गंभीर

साहिबगंज: शोभनपुर दियारा निवासी 18 वर्षीय मो यूसुफ ने भूलवश कीटनाशक का सेवन कर लिया। जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में परिजनों ने उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया। खबर लिखे जाने तक युवक का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा था है।

बरहरवा-फरक्का रेल खंड पर ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज: मालदा मंडल रेल अंतर्गत बरहरवा-फरक्का रेल खंड पर तिलडंगा तथा बिंदु वासिनी हॉट स्टेशन के बीचो-बीच स्थित केबिन के पास रेलवे ट्रैक के बगल से बरहरवा थाना पुलिस ने एक अधेड़ व्यक्ति को जख्मी हालत में उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में भर्ती कराया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घायल व्यक्ति का नाम मो. अख्तर उम्र करीब 38 वर्ष पिता का नाम वकील अख्तर है जो बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार घायल व्यक्ति की हालत अभी स्थिर है। पुलिस के अनुसार मो. अख्तर हावड़ा स्टॉपेज से ट्रेन में सवार होकर अपने घर बिहार समस्तीपुर जा रहा था इसी क्रम में वह किसी कारणवश ट्रेन से नीचे गिर पड़ा एवं वह बुरी तरह से घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर बरहरवा पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर रेलवे ट्रैक के बगल से धान के खेत से उसे बरामद कर बरहरवा थाना ले गई जहां से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया है। इस संबंध में बरहरवा थाना पुलिस से संपर्क नहीं हो पाने के कारण यहां पर यह दुर्घटना कैसे हुई उसके बारे में पुलिस का पक्ष नहीं रखा जा सका। समाचार भेजे जाने तक सूचना मिल रही थी कि घायल अख्तर का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहरवा में उपचार चल रहा है।

बरहरवा-फरक्का रोड पर डीटीओ का अभियान, फ्लाई ऐश लदा ट्रक जब्त

साहिबगंज: जिला के बरहरवा प्रखंड में गुरुवार को बरहरवाझफरक्का मुख्य मार्ग पर जिला परिवहन पदाधिकारी की टीम ने अभियान चलाते हुए फ्लाई ऐश से लदा एक ट्रक जब्त कर बरहरवा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। जब्त वाहन की पहचान ट्रक संख्या डब्ल्यूबी 19 एल/2710 के रूप में हुई है। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने आशंका जताई कि ट्रक चालक के पास परिवहन से संबंधित पर्याप्त कागजात उपलब्ध नहीं थे। साथ ही मुख्य मार्ग पर तेज रफ़्तार से गुजरते हुए फ्लाई ऐश की अनियंत्रित धूल उड़ने के कारण आसपास के इलाकों में प्रदूषण फैलने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इन्हीं कारणों से डीटीओ ने कार्रवाई को उचित बताया।
जानकारी के अनुसार, डीटीओ की टीम को इस मार्ग से गुजरने वाले फ्लाई ऐश लदे वाहनों के द्वारा सड़क पर धूल फैलाने और नियमों का पालन न करने की सूचना पहले ही मिल चुकी थी।

सामूहिक दुष्कर्म के 7 आरोपी को पाकुड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

- दो दिन पूर्व महिला के साथ हुई थी वारदात
- पीड़िता से छीना गया मोबाइल व एटीएम भी बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में विगत दिनांक-25.11.2025 को पाकुड़ नगर थाना क्षेत्रान्तर्गत मालीपाड़ा के पास आम बगान में एक महिला के साथ अपराध कारित करने की सूचना समय करीब 19:01 बजे टाईगर मोबाईल को प्राप्त हुई। उक्त सूचना के सत्यापन/कार्रवाई हेतु टाईगर मोबाईल द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़िता को रेस्क्यू किया गया एवं घटनास्थल पर एक अभियुक्त को पकड़ा गया तथा पीड़िता का त्वरित मेडिकल जाँच कराया गया। पीड़िता-सह-आवेदिका उम्र करीब 35 वर्ष द्वारा अपने फर्दबयान में बताया गया कि वह दिनांक-25.11.2025 को संध्या में घुमने हेतु मालीपाड़ा स्थित अली बाबू आम बगान गयी थी जहाँ अज्ञात 8-10 लड़कों द्वारा पीड़िता के साथ सामुहिक बलात्कार कर मोबाईल, ए०टी०एम० कार्ड एवं कुछ रुपए छीन लिया गया। पीड़िता के फर्दबयान के आधार पर नगर थाना कांड सं0-298/2025, दिनांक-25.11.2025, धारा-126(2)/115(2)/70(1)/304(2)/3(5) भा०न्या०सं० के तहत कांड पंजीकृत कर कांड के त्वरित अनुसंधान/ उद्भेदन हेतु अजय आर्यन, परि० पुलिस उपाधीक्षक, पाकुड़ के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान दल का गठन किया गया। उक्त गठित दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई/ छापेमारी करते हुए सामुहिक बलात्कार की घटना में संलिप्त कुल 07 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान में उक्त सभी अभियुक्तों द्वारा उक्त घटना में अपनी संलिप्ता स्वीकार किया गया। साथ ही अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तार हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है। गिरफ्तार उक्त सातों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्त का संख्या

बाबुधन हौंसदा उर्फ चटनी, उम्र करीब 19 वर्ष, पिता रघु हाँसदा, सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर, जिला-पाकुड। गेनु हाँसदा उर्फ छुछा, उम्र करीब 20 वर्ष, पिता-मुटका हॉसदा, स-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर, जिला-पाकुड। रामभीट्ठा मराण्डी, उम्र करीब 19 वर्ष, पिता-ताला मरांडी, सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर, जिला-पाकुड़। फ्रांसिस हाँसदा उर्फ रोगोस, उम्र करीब 24 वर्ष, पिता संजय हाँसद, सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर जिला-पाकुड़। काली दास सोरेन, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता स्व० चुड़का सोरेन, सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर, जिला-पाकुड़। गड़ा माँझी, उम्र करीब 20 वर्ष, पे०-स्व० छोटो हाँसदा सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर जिला-पाकुड़। 7. बाबुजी हेम्ब्रम, उम्र करीब 18 वर्ष, पिता स्व० मरांग हेम्ब्रम, सा०-मालीपाड़ा, नीचेटोला, थाना-पाकुड़ नगर जिला-पाकुड़।

जप्त सामानों की विवरणी:-

पीड़िता से छीना गया मोबाईल एवं ए०टी०एम० कार्ड। पुलिस छापामारी टीम /रक्ळ में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मी का पदनाम एवं नामः- अजय आर्यन, परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक, पाकुड़। पु०नि० बबलु कुमार, थाना प्रभारी, पाकुड़ नगर थाना। पु०अ०नि० राहुल गुप्ता, प्रभारी, मालहपाड़ी ओ०पी०। पु०अ०नि० अभिषेक कुमार नगर थाना। पु०अ०नि० बलवंत दुबे नगर थाना। पु०अ०नि० दिनेश प्रसाद सिंह, नगर थाना। पु०अ०नि० मिठुन रजक, नगर थाना। पु०अ०नि० दिलीप बास्की, नगर थाना। पु०अ०नि० श्रीचाँद किस्कू, नगर थाना। पु०अ०नि० स्वेता एक्का, नगर थाना।

साहिबगंज में तीन दिवसीय किसान पाठशाला का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के मंडरो प्रखंड में कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा साहिबगंज एवं कार्यकारी एजेंसी ग्रेनरी रांची द्वारा सदर प्रखंड के कृषक पाठशाला का आयोजन हाजीपुर राज गांव में आयोजित किया गया। कृषक प्रशिक्षण प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील कुमार के द्वारा कृषि से रुचि रखने वाले दर्जनों महिला को उन्नत किस्म से खेती करने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया और साथ ही साथ सरकार द्वारा कृषकों को मिल रहे योजना के बारे में भी विस्तार से बताया। वहीं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लोगों को मशरूम उत्पादन के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षक ने प्रशिक्षकों को बताया कि मशरूम की खेती कम जगह एवं कम लागत पर किया जा सकता है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता राजेश राम के द्वारा प्रशिक्षुओं को उत्प्रेरित किया गया और बताया कि मशरूम की खेती कर महिला आत्मनिर्भर भी बन सकती है। कृषक पाठशाला राज गांव के प्रोजेक्ट मैनेजर सुमित कुमार ने बताया कि यह प्रशिक्षण तीन दिनों तक चलेगा ताकि कृषि में रुचि रखने वाले सभी किसान भाइयों को आत्मनिर्भर बनने में सहयोग मिलेगा। मौके पर रीना कुमारी, मीनू देवी, मीरा देवी, शोभा देवी,अंबिका गोस्वामी सहित दर्जनों की संख्या में अन्य महिला व पुरुष मौजूद थे।

डीसी की अध्यक्षता में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद अध्यक्षा मोनिका किस्कू उपस्थित रहीं। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी दिसंबर माह में आपदा से निपटने की तैयारी की समीक्षा हेतु व्यापक मॉक ड्रिल का पूर्व अभ्यास किया जाएगा, ताकि आपदा की स्थिति में त्वरित व प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। डीसी ने आपदा विभाग में आने वाले अभिलेखों की त्रुटियों को शीघ्र दूर कर लाभार्थियों को समय पर लाभ उपलब्ध कराने का निर्देश

दिया। साथ ही उन्होंने उधवा, बरहेट सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर पूर्व-चेतावनी सायरन प्रणाली के अधिष्ठापन की प्रक्रिया को तेज करने का निर्देश भी दिया। इसके अलावा सभी सरकारी एवं गैरसरकारी प्रतिष्ठानों, संस्थानों, होटलों आदि में फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य रूप से कराने का आदेश देते हुए सुरक्षा मानकों को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान, अपर समाहर्ता गौतम भगत सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंचायत में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' सेवा अधिकार सप्ताह के तहत शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : पतरातू पंचायत में आज सेवा अधिकार सप्ताह के अंतर्गत 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' अभियान के तहत एक विशाल जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अंचल तथा प्रखंड प्रशासन के अधिकारियों ने विभिन्न विभागों की योजनाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की और जनसमस्याओं का स्थल पर ही समाधान करने का प्रयास किया। शिविर के दौरान अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में पंचायत के मुखिया गिरीजेश कुमार, पंचायत सचिव रवि रंजन कुमार यादव, साथ ही BHO, MO, ATM, BTM, VLW, जनप्रतिनिधि, पत्रकार बंधु और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित योजनाओं से संबंधित बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए–
प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अबुवा आवास माईयन सम्मान योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन मनरेगा 15वीं वित्त आयोग से संबंधित आवेदन अधिकारियों ने बताया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित निस्तारण प्रारंभ कर दिया गया है, ताकि प्रत्येक लाभार्थी को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। ग्रामीणों ने इस शिविर को बेहद उपयोगी बताते हुए कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएँ मिलने से उन्हें काफी सुविधा हुई है। पंचायत क्षेत्र में ऐसे शिविरों से पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा मिलता है।

बाल विवाह मुक्त भारत सौ दिवसीय अभियान का किया गया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला मुख्यालय इस्थित पंचायत राज कार्यालय के सभागार में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन तत्वाधान में मंथन संस्था के बैनर तले बाल विवाह मुक्त भारत सौ दिवसीय अभियान का शुभ आरभं किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारण विश्वनाथ भगत के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की सुरुआत दीपप्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम को संचालित कर सचिव ने बताया कि साहिबगंज जिले को बाल विवाह मुक्त के उद्देश्य से भारत सरकार की 100 दिन की विशेष कार्ययोजना से बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कंधे से कंधा मिला कर काम करेगा। '100 दिवसीय गहन जागरूकता अभियान' जिसे बाल विवाह मुक्त भारत के एक वर्ष पूरे होने के मौके पर पूरे देश में शुरू किया गया है, एक लक्षित रणनीति तय की है।

इसमें स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों, उन धार्मिक स्थलों जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं, विवाह में सेवाएं देने वाले पेशेवर सेवा प्रदाताओं, और आखिर में पंचायतों व नगरपालिका वार्डों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि बच्चों के खिलाफ इस सदियों पुराने अपराध का अंत सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह के खिलाफ शपथ ग्रहण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बाल मित्र थाना प्रभारी, गैर संस्थागत देखरेख पदाधिकारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के जिला समन्वयक एवं सभी कर्मी मौजूद रहे, झारखंड विकास परिषद के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, मंथन संस्था की टीम एवं आशा स्किम की टीम, पीएलवी आदि मौजूद रहे।

सेवा का अधिकार सप्ताह : छठे दिन जिले भर में आयोजित शिविरों में मिला आमजन को लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में 28 नवंबर तक चलने वाले सेवा का अधिकार सप्ताह का आज छठे दिन विभिन्न पंचायत एवं वार्डों में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा "आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" अभियान के तहत विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं नगर क्षेत्र के वार्डों में किया जा रहा है। आयोजित शिविरों में निम्नलिखित स्थानों पर सेवाओं का व्यापक रूप से लाभ दिया गया– बरहेट प्रखंडः सिमडा, डोराय संथाली, बरमसिया, गोपलाडीह पंचायत। बोरियो प्रखंडः बड़ा मदनशाही, बांझी

संथाली, मोती पहाड़ी बड़ा पंचायत। पतना प्रखंडः शहरी, लखीपुर पंचायत। मंडरो प्रखंडः अंबाडीहा, महादेव वरण पंचायत। बरहरवा प्रखंडः रिसौढ, बिंदुपाड़ा, मिजार्पुर, बिनोदपुर, आहुत ग्राम पंचायत। राजमहल प्रखंडः दरला, कसबा, बाबूपुर, तीनपहाड़ पंचायत। तालझारी प्रखंडः पोखरिया, बड़ी भगीयामारी पंचायत। उधवा प्रखंडः पूर्वी प्राणपुर, पश्चिम प्राणपुर, मध्य पियारपुर, मसना, दक्षिण पियारपुर ,अमानत दियारा पंचायत। साहिबगंज प्रखंडः हरप्रसाद, गंगा प्रसाद पूर्व पंचायत। साहिबगंज नगर परिषदः वार्ड संख्या 12,13,14 हुसैनिया मदरसा, साहिबगंज। शिविर में प्रदत्त प्रमुख सेवाएँ कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे और विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन किया। इनमें मुख्य रूप से– जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड आवेदन, दाखिल-खारिज एवं भूमि संबंधी वादों से संबंधित आवेदन, भूमि धारण प्रमाण पत्र, भूमि की मापी से संबंधित आवेदन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं हेतु आवेदन, अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन दिया गया। शिविर के दौरान पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत परिसंपत्तियों का वितरण, स्वीकृत लाभ, प्रमाण पत्र एवं योजनाओं से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, लाभुक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए। साथ ही जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सप्ताह भर चलने वाले शिविरों में पहुँचकर सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ अवश्य लें।

संक्षिप्त खबरें

सड़क सुरक्षा के तहत मुफ्फसिल थाना के सामने वाहन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया

साहिबगंज: सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने एवं यातायात नियमों के अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से मुफ्फसिल थाना के समीप जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में सघन वाहन जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की गहन जांच की गई। विशेष रूप से बिना हेलमेट, लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन एवं बीमा के वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए वाहनों से जुमार्ना वसूला गया। जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश दिए गए तथा ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने, एवं मोबाइल का उपयोग करते हुए ड्राइविंग जैसी खतरनाक प्रवृत्तियों से बचने की अपील की गई। साथ ही सभी चालकों से यह अपेक्षा की गई कि वे स्वयं सुरक्षित रहें और दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। अभियान में जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आरईए अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस, तथा मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश पांडे अपने पुलिस बल के साथ उपस्थित रहे। यह जांच अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना जगाने की दिशा में एक सार्थक कदम साबित हुआ।

आधार परियोजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक से संबंधित बैठक

साहिबगंज: डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में आधार परियोजना से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी ने कहा कि आम जनता की सुविधाओं से जुड़ी आधार सेवाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से उन बातों का जिक्र किया जिनमें आधार अपडेट, नाम सुधार, बायोमेट्रिक त्रुटि तथा विलंब से आधार जारी होने की बात सामने आई है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित मामलों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें।पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिले में 08 प्रखंडों में आधार केन्द्र संचालित है। बैठक में जिले में संचालित आधार केन्द्रों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने कहा कि सभी केन्द्रों पर आधार पंजीकरण और अद्यतन कार्य मानकों के अनुरूप होना चाहिए।इस मौके पर अपर समाहर्ता गौतम भगत, साहायक प्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय रांची हरवीर सिंह, यूआईडीएआई के परियोजना पदाधिकारी संदीप कुमार तथा अग्रणी बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार उपस्थित थे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने स्तर से आधार से जुड़ी गतिविधियों की प्रगति से डीसी को अवगत कराया। बैठक के उपरांत साहायक प्रबंधक क्षेत्रीय कार्यालय रांची, हरवीर सिंह के द्वारा पोस्ट ऑफिस साहिबगंज, सीएससी ऑस्क सेंटर, आधार सेंटर का निरीक्षण कर जायजा लिया गया।

आदिवासी रक्षा मंच ने जन आक्रोश, जुलूस निकालकर किया विरोध प्रदर्शन

साहिबगंज: आदिवासी रक्षा मंच की ओर से गुरुवार को साहिबगंज में जन आक्रोश विरोध प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला गया। जुलूस राज्य में कुड़मी/कुर्मी जाति को एसटी में शामिल करने के विरोध में निकाला गया। जुलूस में शामिल आदिवासी समाज के लोगों ने कुर्मी-महतो, कुर्मी जाति के नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उन्हें एसटी में शामिल करने पर जन आक्रोश विरोध जताया। जुलूस रेलवे इंस्टिट्यूट मैदान से निकल कर गांधी चौक, चौक बाजार, एलसी रोड, पटेल चौक, कॉलेज रोड, होते हुए समाहरणालय पहुंची। समाहरणालय पहुंचकर आदिवासी समुदाय के लोगों ने वहां पर डीसी को एक ज्ञापन सौंपा गया। मौके पर काफी संख्या में साहिबगंज कॉलेज के कल्याण छात्रावास के छात्र-छात्राएं शामिल थे।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में रेलवे स्कूल ने 3 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूनार्मेंट के तहत गुरुवार को पोखरिया पैंथर्स बनाम रेलवे स्कूल के बीच मैच खेला गया। पोखरिया पैंथर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवर में 132 रन बना कर ऑल आउट हो गई। पीयूष यादव ने 27, प्रिंस सिंह ने 25, कुणाल यादव ने 15 व सावन कुमार ने 13 रन बनाए। रेलवे स्कूल के गेंदबाज जीशान, शिवम, सुशांत व अरमान अंसारी ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे स्कूल की टीम 15.2 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बना कर 3 विकेट से मैच जीत लिया। सुशांत पासवान ने नाबाद 53, अनस अंसारी ने 18, उमंग आनंद ने 10 रन की पारी खेली। पोखरिया पैंथर्स के गेंदबाज पीयूष यादव ने 4 व सावन कुमार ने 2 विकेट लिए। रेलवे स्कूल के खिलाड़ी सुशांत कुमार को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ सुमित कुमार ने सुशांत को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग मो अशफाक आलम व चंदन यादव एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

कांग्रेस की समीक्षा बैठक, कांग्रेस नेता दिल्ली रवाना

राजेश राम इस्तीफे पर बोले-केंद्रीय नेतृत्व जो बोलेगी,अमल करूंगा; योगी मॉडल पर पप्पू का पलटवार

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के हार की समीक्षा के लिए कांग्रेस ने एक अहम बैठक बुलाई है। आज कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में 3 बजे से बैठक शुरू होगी। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश प्रभारी, पूर्व CLP, सभी सांसद, विधायक, सभी कांग्रेस प्रत्याशी को बुलाया गया है। बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम सहित कांग्रेस के तमाम बड़े नेता पटना से दिल्ली रवाना हुए हैं। चुनावी नतीजों के बाद प्रदेश के नेताओं के साथ कांग्रेस नेतृत्व की यह पहली बैठक है। इस बैठक में विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा और आगे की रणनीति पर होगी चर्चा। बिहार चुनाव में कांग्रेस ने सिर्फ 6 सीट ही जीती है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम कांग्रेस की दिल्ली में आज होने वाली बैठक पर कहा- चुनाव में हार के बाद यह पार्टी की समीक्षा बैठक है। चुनाव लड़ने वाले नेताओं और राज्य के नेताओं के साथ यह बैठक होगी। 14 दिसंबर को SIR पर दिल्ली में होने वाली रैली पर भी इस बैठक में चर्चा होगी। कांग्रेस को बिहार में मिली बड़ी हार के बाद पार्टी में विरोध पर कहा- कांग्रेस लोकतांत्रिक पार्टी है। टिकट नहीं मिलने से नेताओं में नाराजगी है। घर के लोग हैं, घर में ही नाराज होने पर घर में ही मांग करेंगे। हार की जिम्मेवारी को लेकर इस्तीफा देने की बात पर राजेश राम ने कहा- जिम्मेदारी केंद्रीय नेतृत्व फैसला करती है। केंद्रीय नेतृत्व जो फैसला करेगी, उसे पर अमल करूंगा। रोड पर इस तरह की चर्चा सामान्य होती है, यह कोई बड़ी बात नहीं है। नेतृत्व की इस्तीफा की मांग पर बोले पप्पू यादव बिहार विधानसभा चुनाव में हार के बाद आज दिल्ली में कांग्रेस की समीक्षा बैठक को लेकर के पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा- बिहार चुनाव की समीक्षा बैठक होगी। किसने जिम्मेदारी को अच्छे तरीके से निभाया, कैसे वोट चोरी की गई, कैसे आम जनता के अधिकारों को छीना गया, कैसे रक्फ़ को लेकर के चुनाव आयोग ने गड़बड़ी की, इस मुद्दे को लेकर के सारी बैठक होगी। बिहार कांग्रेस के नेता नेतृत्व की इस्तीफा की मांग कर रहे हैं। बिहार कांग्रेस में विरोध दिखाई दे रहा है, इस पर पप्पू यादव ने कहा- यह मुद्दा डिसिप्लिन कमेटी का है। यह मुद्दा सिर्फ नेतृत्व का है। मैं इसमें कहीं नहीं आता हूं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह चलता रहता है। लेकिन जो लोग इस्तीफा मांग रहे हैं, उन्हें अपने गिरेबान में भी झांकना चाहिए। अपने दायित्व और जिम्मेदारी का एहसास करना चाहिए। राबड़ी आवास खाली करने को लेकर पप्पू यादव ने कहा- 'यह गलत है। यह लगातार बिहार में गरीबों का आशियाना छिना जा रहा है। दुकानदारों को मारा जा रहा है, आप कहीं किसी को आशियाना जमीन दोगे नहीं, यह हिटलर का राज थोड़ी है, जो बदले की भावना से काम करेंगे।'पप्पू यादव ने कहा, 'मैं सरकार से मांग करता हूं कि जो लगातार अपने नालंदा में गरीबों का घर तोड़ दिया, पटना में लगातार दुकान तोड़ रहे हो, ऐसा मैंने कभी भी लालू-नीतीश जी के राज में नहीं देखा और यह बर्दाश्त भी नहीं होगा। इसको मैं लोकसभा में भी रखूंगा और इसकी लड़ाई भी लड़ूंगा।'बिहार में योगी मॉडल पर कहा- यहां कोई बुलडोजर नहीं चल पाएगा। यहां नीतीश मॉडल की बात होनी चाहिए। यह बिहार है, ये कपूर्री ठाकुर, जेपी और लोहिया का बिहार है। यह हिटलर का बिहार नहीं है। नेता पदाधिकारी और जमीन माफिया मिल करके इस तरह की हरकतें शुरू किए हैं, ताकि जमीन पर कब्जा किया जा सके। पप्पू यादव ने आगे कहा, आप फैक्ट्री लगाइए, भ्रष्टाचार खत्म कीजिए। लगातार मर्डर हो रहा है, गोली मारी जा रही है। आते ही ऐसी कौन सी राजनीतिक भावना से काम शुरू किया है। ना हम गरीबों के आशियाना उजड़ने देंगे और ना ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के साथ इनको कोई कार्य करने देंगे। सभी 61 प्रत्याशी देंगे अपने क्षेत्र की रिपोर्ट इस बैठक में जीते हुए छह विधायकों सहित उन सभी 61 प्रत्याशियों को बुलाया गया है, जिन्होंने इस चुनाव में पार्टी का प्रतिनिधित्व किया था। हर प्रत्याशी को अपने क्षेत्र की डिटेल रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि किस वजह से हार का सामना करना पड़ा, स्थानीय स्तर पर कौन से मुद्दे प्रभावी रहे और संगठनात्मक रूप से पार्टी किन मोर्चों पर पिछड़ गई। यह रिपोर्टें चुनावी रणनीति की समीक्षा का आधार बनेंगी। छह साल के लिए 7 नेताओं को किया निष्कासित दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने 43 कांग्रेस नेताओं को कारण बताओ नोटिस भेजा था। इसमें से कांग्रेस ने पार्टी-विरोधी गतिविधियों के कारण 6 साल के लिए 7 नेताओं को कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया। इसमें कांग्रेस सेवा दल के पूर्व उपाध्यक्ष आदित्य पासवान, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष शकीलुर रहमान, किसान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार राजन, अति पिछड़ा विभाग के पूर्व अध्यक्ष कुंदन गुप्ता, बांका जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष कंचना कुमारी और नालंदा जिला के रवि गोल्डन को पार्टी से निष्कासित किया गया है ।बागी नेताओं ने भी दिल्ली में डाा हुआ है डेरा कांग्रेस हाईकमान की बैठक के पहले कांग्रेस के नाराज नेता भी दिल्ली पहुंचे हुए हैं। इन नेताओं में पूर्व विधायक और पार्टी के अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। ये नेता प्रदेश नेतृत्व के साथ होने वाली बैठक के पूर्व आलाकमान से मिलने की कोशिश में हैं। ताकि केंद्रीय नेतृत्व को चुनाव में पराजय की वजह, टिकटों की खरीद-बिक्री, जिताऊ उम्मीदवारों को दरकिनार करने जैसे मुद्दे गिना सकें। इसके अलावा वह लोग प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के इस्तीफे की मांग भी करने वाले हैं।

मर्डर टू अटेंप्ट मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

पटना। गयाजी के मुफस्सिल और कोंच थाना में दर्ज तीन अलग-अलग मर्डर टू अटेंप्ट मामले में 5 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जमीन विवाद में हमला 25 अगस्त 2025 को जमीन विवाद को लेकर प्रमोद कुमार और उसके सहयोगियों पर हमला करने का केस दर्ज किया गया था। पीड़ित ने थाने में दिए आवेदन में कहा था कि प्रमोद कुमार उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर लोहे के रॉड और डंडे से हमला कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। इस मामले में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 857/25 दर्ज किया गया। विशेष अभियान के तहत साकिन पंचवा से मुख्य आरोपी प्रमोद कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की दबिश जारी है। तीन आरोपी को पुलिस ने पकड़ा 24 नवंबर 2025 को दूसरे केस में बिंदु कुमार पर हमला करने का आरोप है। वादी ने बताया कि वह अपने घर में थे, तभी बिंदु कुमार और उसके सहयोगी पहुंचे। गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लाठी-डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामले में कांड संख्या 1211/25 दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई में तेतरिया निवासी बिंदु कुमार, उसके पिता दरवारी यादव और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। खेत में पटवन के दौरान हमला तीसरा मामला कोंच का है। 21 अगस्त 2025 को दर्ज तीसरे मामले में वादी ने बताया कि वह अपने खेत में पटवन कर रहे थे। उसी दौरान वुल्लु कुमार उर्फ शेरवा अपने सहयोगियों के साथ वहां पहुंचा। गाली-गलौज के बाद लोहे के रॉड और डंडे से गंभीर रूप से घायल कर दिया। कोंच थाना कांड संख्या 422/25 में नामजद आरोपी प्रधाना निवासी वुल्लु कुमार उर्फ शेरवा को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही एक नाबालिक को भी पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। थाना क्षेत्रों में गश्त और निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

गयाजी में हाथ-पैर बांधकर युवक की गोली मारकर हत्या

पटना। गयाजी में अफेयर में एक शख्स की हाथ-पैर बांधकर कनपट्टी और गर्दन में गोली मार कर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान संजय कुमार(18) के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि संजय को उसकी प्रेमिका ने फोन कर मिलने बुलाया था। जैसे ही संजय प्रेमिका के बताए जगह पर पहुंचे उसे कुछ लोगों ने पकड़ लिया। उसके हाथ-पैर को रस्सी से बांधने के बाद पहले उसकी पिटाई की, फिर गोली मारकर सभी फरार हो गए। घटना गुरुवार सुबह ददरेजी बाजार से करीब एक किलोमीटर दूर बिजहार बधार के पास की है। संजय टिकारी ब्लॉक के काजिबिगहा का रहने वाला था। वो ददरेजी में अपने भाई के साथ बाइक सर्विसिंग की दुकान चलाता था। कुछ दिनों पहले संजय अपने प्रेमिका को लेकर भाग गया था और उससे शादी कर ली थी। हाल ही में वो अपने गांव लौटा था। जिसके बाद लड़की भी अपने घर चली गई थी। लड़की के साथ भाग था, लौटने पर मारी गोली संजय का कोंच थाना क्षेत्र में एक लड़की से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पहले लड़की को अपने साथ कहीं लेकर चला गया। फिर दोनों वापस लौट आए थे। दोनों के बीच कुछ दिनों से विवाद की स्थिति भी बनी हुई थी। आशंका यही जताई जा रही है कि उसी विवाद को लेकर संजय को निशाना बनाया गया। गोली युवक के सिर के पास लगी और वह मौके पर ही जमीन पर गिर पड़ा था रास्ते से गुजर रहे लोगों और आसपास के लोगों ने गोली की आवाज सुनी तो भागते हुए मौके पहुंचे। सूचना मिलते ही कोंच थानाध्यक्ष सुदेह कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवक को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति देखते हुए तुरंत गया रेफर कर दिया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाने में नहीं दिया आवेदन हालांकि परिजन अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं। डरे सहमे हुए हैं। अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से थाने में कोई आवेदन नहीं दिया गया है। घटनास्थल से एक खोखा बरामद थानाध्यक्ष सुदेह कुमार ने बताया कि, प्रेम प्रसंग से जुड़ा लग रहा है। पुलिस घटनास्थल से सबूत जुटा रही है।

आसपास के लोगों के बयान भी लिए जा रहे हैं। मौके से एक खोखा बरामद किया गया है।

बुलडॉग के हमले में बच्ची की मौत-सिर की चमड़ी नोंची

पटना। मुजफ्फरपुर में अमेरिकन बुलडॉग ने एक बच्ची को दबोचकर लहूलुहान कर कर दिया। SKMCH में इलाज के दौरान बुधवार को शिवानी (3) की मौत हो गई। बच्ची के पिता कमलेश सहनी ने बताया कि मंगलवार को उसकी बेटी भाई-बहन के साथ गांव में देवी स्थान पर पूजा देखने जा रही थी। थोड़ी दूर पर दबंग परिवार का सदस्य कुत्ते को जंजीर में बांधे टहला रहा था। इसी दौरान युवक के हाथ से जंजीर छूट गई और कुत्ते ने बच्चों पर हमला कर दिया। दो बच्चे किसी तरह वहां से भाग गए, लेकिन कुत्ते ने शिवानी को जबड़े से पकड़ लिया। पिता बोले- सिर की चमड़ी के साथ बाल भी खींच लिए पिता के मुताबिक कुत्ते ने सिर पकड़कर उसकी चमड़ी समेत बाल खींच लिए। वह बेहोश होकर गिर गई। हम लोग तुरंत बच्ची को सीएचसी में ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद SKMCH रेफर कर दिया था। शिवानी दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटी थी दबंग परिवार ने 15 दिन पहले ही सोनपुर मेले से एक जोड़ी बुलडॉग कुत्ते खरीदकर लाया है। घटना पारू थाना क्षेत्र के मोहजम्मा गांव की है। SKMCH के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. विजय भारद्वाज के यूनिट में घायल बच्ची को इलाज के लिए लाया गया था। बच्ची को हेड इंजरी बहुत गहरा था और हॉस्पिटल पहुंचने में देर हुई थी। इस वजह से उसकी मौत हो गई। पारू थाने के थानेदार चंदन कुमार ने बताया कि, परिजन से बात हुई है। काम क्रिया जो प्राथमिक तौर पर मृत्यु होने के बाद होता है वह कर रहे हैं। थाने में लिखित शिकायत देने को कहा गया है। कांड दर्ज करना है या नहीं करना है। इसके लिए परिजनों को लिखित देना होगा। अगर नहीं आते हैं तो उस हालत में चौकीदार के बयान पर पुलिस केस दर्ज करेग । अमेरिकन बुल डॉग भारत में बैन इंडिया में अमेरिकन बुलडॉग की खरीद बिक्री पर पूरी तरीके से रोक है। केंद्र सरकार ने इसे खतरनाक कुत्तों के नस्ल की लिस्ट में शामिल किया है। इसके खरीद बिक्री के साथ आयात-निर्यात और ब्रीडिंग पर भी बैन लगाया गया है। जिनके पास पहले से इस नस्ल के कुत्ते है। उन्हें 45 दिन के भीतर कुत्ते का रजिस्ट्रेशन करवाना था। आखिर क्यों खूंखार हो जाते हैं कुत्ते इंस्टीट्यूट ऑफ एनिमल एंड प्रोडक्शन के पूर्व डायरेक्टर अजीत कुमार बताते हैं कि 'कुत्ता कैनाइन फेमिली का एनिमल होता है। इसमें सियार और लोमड़ी के भी कुछ गुण होते हैं। खान-पान से उनका बिहेवियर चेंज हो जाता है।' 'पागल कुत्ते कभी मांस खाने के लिए नहीं काटते हैं। पागल होने के बाद उन्हें भय सताने लगता है। वह इंसानों और जानवरों से खुद को बड़ा खतरा महसूस करने लगते हैं।' 'इस कारण कोई भी सामने पड़ जाता है, वह उसे नोच लेते हैं। ऐसे कुत्तों के मुंह से हमेशा लार टपकता है, आंखें लाल हो जाती हैं। वह हमेशा मूवमेंट करते हैं, स्थिर नहीं रह पाते हैं।' '

जब कुत्ते जानवरों और इंसानों के मांस या खून खा लेते हैं, तब वह मांस खाने के लिए ही लोगों को काटते हैं।

पटना, गोपालगंज, बेतिया समेत 10 शहरों में घना कोहरा

बिहार में 6°C तक पहुंचेगा तापमान,कोहरे की वजह से 52 ट्रेनें रद, लेट से आई 14 फ्लाइट्स

पटना। बिहार में धीरे-धीरे ठंड बढ़ रही है। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र की माने तो अगले दो से तीन दिनों में कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की और गिरावट दर्ज की जा सकती है। तापमान गिरने से ठंड ज्यादा बढ़ेगा। खासकर सुबह और शाम होते ही कोहरा छाया रहेगा। गुरुवार को भी पटना, बेतिया और गोपालगंज समेत 10 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। गोपालगंज में तो लोग अलाव का सहारा लेते दिखाई दिए। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार को धुंध और कम विजिबिलिटी की वजह से 14 विमान देर से आए और गए। वहीं हैदराबाद से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 876 को रद्द हो गई। 52 ट्रेनों को रद्द किया गया पटना कोहरे की वजह से ट्रेनों का परिचालन बाधित न हो, इसके लिए अबतक आधा दर्जन से अधिक उपाय किए गए। सुरक्षित परिचालन के लिए रेलवे ने 14 अधिकारियों को तैनात किया है। इसके बावजूद पूर्व मध्य रेल से खुलने और गुजरने वाली करीब 52 ट्रेनों को रद्द करना पड़ा है। इन ट्रेनों से 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक करीब 45 लाख यात्री सफर नहीं कर सकेंगे। इसमें 20 ट्रेन पटना से खुलने और गुजरने वाली हैं।मौसम विज्ञान के मुताबिक, आने वाले 48 घंटों में पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, किशनगंज, औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, सासाराम और कैमूर के कई हिस्सों में सुबह और देर रात हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है। इन जिलों में विजिबिलिटी कम होने के कारण आवाजाही पर भी असर पड़ सकता है। 100 से 200 मीटर रही विजिबिलिटी पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान पटना, खगड़िया, गोपालगंज, सारण, बेगूसराय, मधेपुरा, सुपौल, जहानाबाद और किशनगंज सहित 10 से अधिक जिलों में घना कोहरा छाया रहा। कई इलाकों में विजिबिलिटी 100 से 200 मीटर तक दर्ज की गई। इसके चलते सड़क पर वाहनों को हेडलाइट और फॉग लाइट का इस्तेमाल करना पड़ा। ट्रेनों की गति भी कई रूटों पर धीमी रही। राजधानी में भी पिछले दो दिनों से ठंड बढ़ रही है। IMD के अनुसार, अगले 48 घंटों तक सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रह सकता है। दिन में मौसम सामान्य रहेगा, लेकिन सुबह और देर शाम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। न्यूनतम तापमान 12 से 13 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री तक रहने की संभावना है। पटना एयरपोर्ट पर बुधवार को धुंध और कम विजिबिलिटी की वजह से 14 विमान देर से आए और गए। वहीं हैदराबाद से आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी 876 को रद्द हो गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस की आईएक्स 1197, इंडिगो की 6ई5104, एअर इंडिया की एआई 2523, इंडिगो की 6ई6379, इंडिगो की 6ई6643, इंडिगो की 6ई6348, इंडिगो की 6ई2043, एअर इंडिया की एआई 2789, स्पाइसजेट की एसजी 336 लेट रही। गोपालगंज का पारा 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग 27 डिग्री तक पहुंच सकता है।

संक्षिप्त डायरी

नाबालिग के अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

गया। जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के भलुआ गांव से 14 वर्षीय बच्ची के अपहरण के आरोपी मिनहाज मियां को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने उसे मंगलवार रात गिरफ्तार किया और दोपहर 3 बजे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। यह मामला भलुआ गांव की निवासी लाक्षी देवी हेलेंद्र चौहान से जुड़ा है, जिन्होंने मिनहाज मियां पर अपनी 14 वर्षीय बेटी नीतू कुमारी के अपहरण का आरोप लगाया था। इस संबंध में बेलागंज थाने में कांड संख्या 421/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के लिए पुलिस की लगातार छापेमारी थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडे ने बताया कि आरोपी मिनहाज मियां घटना के बाद से फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस टीम ने उसे मंगलवार रात धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद बुधवार को मिनहाज मियां को स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

आमस में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

गया। जिले के आमस प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित पंचायत समिति सभागार में प्रखंड प्रमुख लड्डन खान की अध्यक्षता में उर्वरक निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के दायित्वों और कार्यों पर चर्चा की गई, साथ ही उर्वरक की बिक्री और बीज वितरण से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। किसानों को सही समय पर बीज और उर्वरक देने की अपील बैठक में प्रखंड प्रमुख लड्डन खान, बीस सूत्री अध्यक्ष रामबृक्ष प्रसाद, उपाध्यक्ष रंजय सिंह, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष माधुरी जायसवाल और प्रखंड कृषि पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने किसानों को सही समय पर और उचित मूल्य पर बीज व उर्वरक उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना था कि समय पर बीज और उर्वरक मिलने से किसान अपनी फसल समय पर लगा सकेंगे और कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी। रबी फसल के लिए गेहूं के बीज का वितरण जारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी (बीओ) सौरव कुमार ने बताया कि सभी बीजों का वितरण किसानों के बीच समय पर किया जा रहा है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि वर्तमान में रबी फसल के लिए गेहूं के बीज का वितरण सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख लड्डन खान, बीओ सौरव कुमार, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष रंजय सिंह, माधुरी जायसवाल, हम प्रखंड अध्यक्ष उदित भोक्ता, लकी खान और राजेंद्र सिंह सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। बैठक में किसानों की समस्याओं और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।

गयाजी में कार-बाइक की टक्कर, एक की मौत

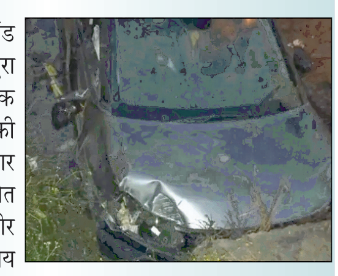

गयाजी। के वजीरगंज प्रखंड स्थित दखिनगांव बाईपास पुरा रोड चौराहे पर शाम एक सड़क दुर्घटना हुई। कार और बाइक की जोरदार टक्कर में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएनएमसीएच) भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर सवार तीन युवक तपोवन पथ से गुजर रहे थे। इसी दौरान नवादा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवक दूर जा गिरे। कार बेकाबू होकर एक सीमेंट पोल से टकराई और पास के पुल में जा घुसी। कार ड्राइवर मौके से हुए फरार हादसे में केनार के वीर बिगहा निवासी जुबैर रजा उर्फ कारू खान की मौके पर ही मौत हो गई। जुबैर अपने जयपुर निवासी बहनोई इलयास खान और साथी धीरज के साथ बाइक से गेहलौर घूमने गए थे। लौटते समय यह दुर्घटना हुई। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। दुर्घटना के तुरंत बाद कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग घटनास्थल से फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार सवार घोसी थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस ने कार -बाइक को किया जब्त घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष अभिनव कुमार ने बताया कि दुर्घटना में घायल कार सवारों और चालक की पहचान की जा रही है। मृतक जुबैर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार और बाइक को जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस रास्ते पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने प्रशासन से यहां स्पीड कंट्रोल उपाय और ट्रैफिक प्रबंधन को मजबूत करने की मांग की है।

नालंदा में अवैध हथियार रखने के आरोप में शख्स गिरफ्तार

नालंदा। के चिकसौरा थाना क्षेत्र में अवैध हथियार रखने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। डीएसपी हिलसा-2 ऋतुराज ने बताया कि 26 नवंबर को थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी। बेचुविगहा गांव में एक शख्स ने अपने घर में अवैध हथियार छिपा कर रखा है। किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना की पुष्टि और आवश्यक कार्रवाई के लिए थानाध्यक्ष चिकसौरा अपने दल-बल के साथ बेचुविगहा पहुंचे। इनपुट के आधार पर घेराबंदी कर मिथलेश प्रसाद के घर की तलाशी ली गई। इस दौरान एक कमरे से 2 देसी कट्टा और 9 जिंदा कारतूस बरामद हुआ। बरामद सामानों की विधिवत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया है। चिकसौरा थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है ।भ किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। इस सफल अभियान में थानाध्यक्ष चिकसौरा थाना के गौरव सिंधु के नेतृत्व में राहुल कुमार सिंह, अनूज कुमार, राजकुमार, सीमांचल कुमार, सौरभ सुमन, प्रवीण कुमार, सुरभी कुमारी और रिजर्व चिकसौरा थाना की टीम शामिल थी।

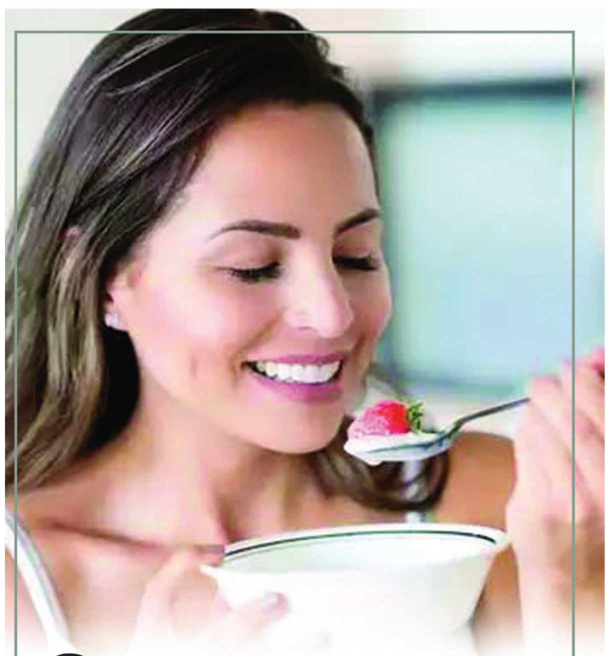

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं।

उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जतायी है। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे हैं। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को को घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, ÷वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं–क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई ।भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी।सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी।ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे।सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके।भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी।जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।''वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था।उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली।पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है।अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है।यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0–2 से हार गई।अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज़ हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह ज़िम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स–फैक्टर से इनकार नहीं करता।नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे।उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला।इसी तरह, बल्लेबाज़ हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते।मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता।अगर आप आज कप्तान हैं, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे।इसलिए ज़िम्मेदारी ज़रूरी है।पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे।पंत का प्रोटियाज़ टेस्ट सीरीज़ में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ़ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफ: तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में यशदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर: भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टर: दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टर: कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़त दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली।भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है।उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0–2 से हार गई।पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3–0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है।सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी।उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया।एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार–बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है।उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं।एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव।मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते।एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है।हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है।हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं।कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

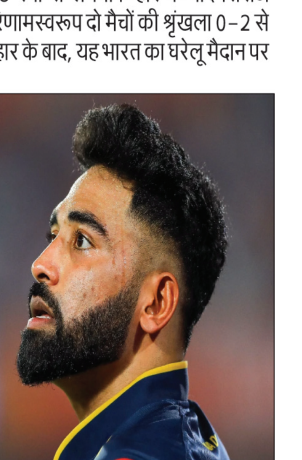

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिसबेन ।यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है।इस सीरीज में 1–0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है।वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा।कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं।उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन–रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है।हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था।हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया।ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे।मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे।मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे।हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे।कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफ़ी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मज़बूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी।इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल को भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था।इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे।इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया।सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी।इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है।पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है।यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

बीजेपी-चुनाव आयोग मिलकर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के कटवा देते हैं नाम

-बिहार में महागठबंधन की करारी हार के बाद प्रमोद तिवारी ने लगाए गंभीर आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने फिर बीजेपी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर कांग्रेस या फिर विपक्षी पार्टियों के मतदाताओं के नाम कटवा देते हैं। यही महाराष्ट्र में भी हुआ और अब यही दूसरे राज्यों में भी चल रहा है। राहुल गांधी ने वह घर और वह पोलिंग स्टेशन, सब दिखा दिया है। एक मकान में 500-600 लोगों के वोट दर्ज हैं। 65 लाख लोगों के बिहार में नाम काटे गए हैं जो कि एक रहस्यमयी कहानी है।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी यही हुआ। एक-एक घर में एक-एक हजार लोग महाराष्ट्र में निकल रहे हैं। ब्राजील की मॉडल का फोटो बनाकर हरियाणा का चुनाव करवाया जा रहा है।

ऐसा लगता है कि बीजेपी के मुंह में खून लग गया है और चुनाव आयोग पूरी तरह से खामोश इस बेईमानी को करवाने में शामिल नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग राहुल गांधी के सवालों का जवाब क्यों नहीं देता। वह भारत के नेता विरोधी दल हैं। उन्होंने सार्वजनिक रूप से प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ये बातें कही है। यूपी में जो गोंडा में हुआ, फतेहपुर में हुआ। कहा यही जा रहा है कि जो बीजेपी का मतदाता नहीं है, कांग्रेस या विरोधियों का मतदाता है, उनके नाम जबरदस्ती हटाने का दबाव बनाया जा रहा है। इससे पहले कांग्रेस नेता कुमार केतकर ने आरोप लगाए थे कि अमेरिकी और इजराइली एजेंसियों ने मिलकर 2014 में कांग्रेस को हराने की योजना तैयार की थी। केतकर ने दावा किया कि एजराइली एजेंसी मोसाद ने राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा तैयार किया है। सीआईए और मोसाद के पास राज्यों और निर्वाचन क्षेत्रों पर विस्तृत डेटा है। उन्होंने कहा कि 2014 में तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के खिलाफ असंतोष था, लेकिन इस तरह से नहीं कि कांग्रेस की अपमानजनक हार हो और उसकी सीटों की

सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट की धमकी, महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाले (एजेंसी)। मणिपुर में जारी सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट करने की धमकी देने के आरोप में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन केसीपी (एमएफएल) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक फेसबुक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट किए वीडियो के बाद की गई, जिसमें 21 से 30 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। उग्रवादियों को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है। पूर्वोत्तर राज्य में विस्थापित व्यक्तियों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा इस सांगई महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच जारी अभ्यास गरुड़ 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (एफएएसएफ) के बीच चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास गरुड़ 2025 पर केंद्रित है। यह गरुड़ अभ्यास का आठवाँ संस्करण है, जो 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद अंतर-संचालन को और मज़बूत करना। दपेशेवरता, सटीकता और एकजुट टीमवर्क के माध्यम से द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती को सुदृढ़ करना। यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना। आपसी शिक्षा और परिचालन ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। शामिल भारतीय वायुसेना के विमान : एसयू-30एमकेआई, सी-17 ग्लोबमास्टर तीसरी (प्रेरण और विप्रेषण चरणों के लिए एयरलिफ्ट सहायता)। आईएल-78 (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए)। मिशन हवा से हवा में होने वाली मुठभेड़ों, वायु रक्षा अभियानों, और समन्वित हमले अभियानों पर केंद्रित हैं। यह अभ्यास मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हवाई संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

छत्तीसगढ़ में 13 लाख के इनामी माओवादी जोड़े ने किया सरेंडर

रायपुर (एजेंसी)। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के 13 लाख रुपये के इनामी जोड़े ने पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। 'मुन्ना' (7 लाख इनामी) और उसकी साथी 'जूली' (6 लाख इनामी) ने छत्तीसगढ़ सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025 को जीवन बदलने वाला कदम बताया। यह 25 वर्षीय जोड़ा पिछले कई सालों से बस्तर के माड़ संभाग और मध्य प्रदेश-महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) त्रि-राज्यीय क्षेत्र में सक्रिय था। दोनों कैडर भर्ती, रसद आपूर्ति और हिंसक वारदातों में शामिल रहे। घने जंगलों में छिपे रहकर पुलिस को लगातार चकमा देते रहे। जिला पुलिस अधीक्षक लक्ष्य शर्मा ने बताया कि लगातार सर्जिकल ऑपरेशन, स्थानीय लोगों का सहयोग और सम्मानजनक पुनर्वास के वादे ने इस जोड़े को मुख्यधारा में लौटने को मजबूर किया। सरेंडर करने वालों को तत्काल वित्तीय सहायता, मासिक वजीफा, आवासीय प्लॉट, कौशल प्रशिक्षण और दीर्घकालिक सुरक्षा दी जाएगी। यह आत्मसमर्पण माओवाद विरोधी अभियान में बड़ी सफलता माना जा रहा है। पिछले 23 महीनों में राज्य में 2,200 से अधिक माओवादी या तो सरेंडर कर चुके हैं या मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, संगठन के अंदर बढ़ता असंतोष, पूर्व साथियों का सफल पुनर्वास और सुरक्षाबलों का दबाव आत्मसमर्पण की रफ्तार बढ़ा रहा है। पुलिस इसे 'गेम-चेंजर' बता रही है। माना जा रहा है कि बस्तर और त्रि-राज्यीय सीमा के माओवादी गढ़ अब तेजी से खाली हो रहे हैं। सरकार की सख्ती और आकर्षक पुनर्वास नीति के सामने माओवादी विचारधारा लगातार कमजोर पड़ रही है।

राबड़ी को आवास खाली करने का नोटिस, गिरिराज सिंह ने कहा... सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्व सीएम राबड़ी देवी को आवास खाली करने के नोटिस को लेकर बयानबाजी जारी है। जहां केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि, बिहार में कानून का राज है। कानून के तहत किसी को आवास मिलाता है, तब आवास खाली किया जाता है। नहीं खाली करने पर पुलिस उस बलपूर्वक हटा देती है। सरकारी आवास किसी की बपौती नहीं होती है। वहीं राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने कहा है कि, किसी हालत में राबड़ी आवास खाली नहीं करेगी। ये लालू परिवार को अपमानित करने की साजिश है। 20 साल से नीतीश कुमार सीएम हैं। उन्होंने ऐसा फैसला क्यों नहीं लिया। वहीं भाजपा नेता नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि राबड़ी पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास खाली करने के दौरान टोंटी और अन्य सरकारी संपत्ति की चोरी ना हो, इसका ध्यान रखें। 20 साल बाद लालू परिवार को 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। मंगलवार को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा है। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना केन्द्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।

कश्मीर के 5 जिलों में पुलिस का सर्च ऑपरेशन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के 5 जिलों में गुरूवार को पुलिस और सुरक्षाबलों ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान चलाया। पुलिस ने बैन आतंकी संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े होने के शक में कई लोगों के घरों-ठिकानों की तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि घाटी में सुरक्षा अभियान के तहत शोपियां, पुलवामा, श्रीनगर, बारामूला और कुलगाम में तलाशी ली है। इस दौरान पुलिस टीमों ने वेरिफिकेशन और कई लोगों से पूछताछ भी की। उन्होंने कहा कि सर्च ऑपरेशन का मकसद बैन संगठनों को दोबारा सक्रिय होने से रोकना, आतंकी सपोर्ट नेटवर्क और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उन्हें खत्म करना है। साथ ही आतंकियों को फाइनेंशियल और लॉजिस्टिक मदद करने वालों पर कार्रवाई करना है।

भुने चनों में कैंसर बनाने वाला केमिकल 'औरामाइन'! प्रियंका चतुर्वेदी ने सरकार को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब भुना चना भी सुरक्षित नहीं रहा। बाजार में बिकने वाले चमकदार पीले-भुने चनों को आकर्षक बनाने के लिए मिलावटखोर घातक इंडस्ट्रियल केमिकल 'औरामाइन' मिला रहे हैं। यह वही जहरीला रंग है जो कपड़ा, चमड़ा और कागज उद्योग में इस्तेमाल होता है, लेकिन खाने-पीने की किसी भी चीज में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को पत्र लिखकर इस गंभीर खतरे की ओर ध्यान दिलाया है। प्रियंका चतुर्वेदी ने मांग की है कि देशभर में तुरंत हेल्थ अलर्ट जारी हो, संदिग्ध भुने चनों की जांच हो और दोषी विक्रेताओं-निर्माताओं पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने इसे न सिर्फ फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन बताया, बल्कि लाखों भारतीयों की सेहत पर सीधा हमला करार दिया। औरामाइन एक चटक पीला सिंथेटिक डाई है, जो पानी में आसानी से घुल जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी(आईएआरसी) ने इसे 'संभावित कार्सिनोजन' (ग्रुप 2बी) घोषित किया हुआ है। लंबे समय तक इसका सेवन करने से लिवर, किडनी और मूत्राशय (ब्लैडर) का कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा नर्वस सिस्टम को नुकसान, ऑर्गन फेल्योर और शरीर में टॉक्सिसिटी की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मिलावटखोर सस्ते में ज्यादा मुनाफे के लिए सादे भुने चनों पर औरामाइन का घोल छिड़क रहे हैं। इससे चने चमकदार पीले, कुरकुरे और थोड़े फूले हुए दिखते हैं, जो ग्राहकों को जल्दी आकर्षित करते हैं। खुले बाजार में यह जहरीला चना आसानी से मिल रहा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो डालकर दिखाया है कि गर्म पानी में ऐसे चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है- यह औरामाइन की पहचान है।

दिल्ली में प्रदूषण की वजह से बच्चा नहीं ले पा रहा था सांस, करानी पड़ी सर्जरी

-महिला ने वीडियो शेयर कर तकलीफ की बयां, यूजर्स बोले- यह बहुत डरावना

नई दिल्ली(एजेंसी)। नोएडा में एक महिला ने कहा कि वायु प्रदूषण की वजह से उसके छोटे बेटे की तबीयत इतनी खराब हो गई कि उसे सर्जरी करवानी पड़ी। महिला ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया जिसमें वह अस्पताल में भर्ती अपने बेटे की हालत दिखाते हुए तकलीफ बयां कर रही थी। साक्षी पाहवा नाम की इस महिला ने लिखा कि वह दो साल पहले अपने परिवार के साथ दिल्ली-एनसीआर में शिफ्ट हुई थीं। तभी से उनके बच्चे को लगातार सर्दी-खांसी, एलर्जी और सांस लेने में दिक्कत होने लगी। कई दवाइयां आजमाईं, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। साक्षी ने कहा कि प्रदूषण बढ़ता गया और उनके बच्चे की परेशानी भी बढ़ती गई।

पोस्ट में महिला ने लिखा- माता-पिता होने के नाते, उसे अस्पताल में रोता देखकर हमारा दिल टूट गया। हम टैक्स देते हैं और बदले में हमारे बच्चों को यही मिलता है। अब आवाज उठाने का समय आ गया है। दिल्ली-एनसीआर के प्रदूषण ने न सिर्फ हमारी सांस लेने वाली हवा को प्रभावित किया...बल्कि मेरे नन्हे-मुन्ने बच्चे को सर्जरी करवानी पड़ी। पोस्ट देखने के बाद कई लोगों ने अपनी चिंता और गुस्सा जाहिर किया।

एक यूजर ने सलाह दी- कृपया रहने की जगह बदल लें। दवाइयों और तकलीफ से बेहतर है कि आप किसी साफ हवा वाले शहर में चले जाएं। दूसरे ने लिखा- यह बहुत डरावना है। लोग बीमार हो रहे हैं और सरकार सच्चाई छिपाने में लगी है। तीसरे ने कहा- जिन्हें लगता है कि यह प्रदूषण की वजह से नहीं है, वे अस्पताल जाकर देखें। ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग खराब हवा की वजह से बीमार हो रहे हैं। बता दें बुधवार को दिल्ली का एक्यूआई 337 दर्ज किया गया था, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। शहर के 39 एयर मॉनिटरिंग स्टेशनों में से 34 ने बहुत खराब और बाकी 5 ने खराब हवा दर्ज की थी।

मतुआ समुदाय को नागरिकता देने का किया था वादा, अब एसआईआर में नाम कटने का सता रहा डर

-पश्चिम बंगाल में गरमाई राजनीति, बढ़ती चिंता के बीच सीएए आवेदन केंद्र शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राजनीति गरमा गई है। वजह है मतुआ समुदाय का बड़ा वोट बैंक। मतुआ वे हिंदू शरणार्थी हैं जो धार्मिक उत्पीड़न के चलते बांग्लादेश से भारत आ गए थे। ये लोग दशकों से भारतीय नागरिकता की मांग कर रहे हैं। बीजेपी ने सीएए के जरिए उन्हें नागरिकता देने का वादा किया था। 2014 के बाद हुए चुनावों में इस वादे के कारण मतुआ समुदाय ने बड़ी संख्या में बीजेपी का समर्थन किया था। अब मतुआ समुदाय के बीच गहरी चिंता है। वजह है पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के लिए शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आधार कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड जैसे भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद कई मतुआ लोग डर रहे हैं कि उनका नाम वोटर लिस्ट से हट सकता है। उनकी सबसे बड़ी परेशानी है कि वे अपनी पारिवारिक ऐतिहासिक कड़ियां साबित नहीं कर पाएंगे, क्योंकि उनकी जड़ें बांग्लादेश में हैं। समुदाय के सामने मुश्किल स्थिति है। वोटर लिस्ट में दोबारा नाम दर्ज कराने के लिए उन्हें आधिकारिक भारतीय नागरिक होना जरूरी है, लेकिन अगर वे सीएए के तहत आवेदन करते हैं, तो उन्हें खुद को औपचारिक रूप से बांग्लादेशी विदेशी नागरिक घोषित करना पड़ता है। इससे नागरिकता मिलने तक उनकी कानूनी स्थिति अनिश्चित और कमजोर हो जाती है।

इस स्थिति का दबाव केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर पर भी बढ़ रहा है। वे मतुआ समुदाय के सबसे बड़े राजनीतिक नेता माने जाते हैं। बढ़ती चिंता के बीच उन्होंने सीएए आवेदन केंद्र शुरू करवाए हैं। यहां ऑल इंडिया मतुआ महासंघ, जो कि समुदाय का प्रमुख संगठन है, आवेदन करने वालों को प्रमाण पत्र जारी कर रहा है। 52 साल के सुशील विश्वास जो 15 साल पहले बांग्लादेश से उत्पीड़न के कारण भारत आए थे, उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए भारत आया। मैं नागरिकता के लिए सीएए में आवेदन करने आया हूं। एसआईआर और इसके परिवार पर असर को लेकर मुझे डर है, लेकिन भारत सरकार ने हमें नागरिकता देने का वादा किया है।

हालांकि, मतुआ महासंघ की ओर से जारी इन प्रमाण पत्रों की कानूनी वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह भी पूछा जा रहा है कि क्या किसी केंद्रीय मंत्री को ऐसे दस्तावेज जारी करने का अधिकार है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बोंगांव की एक रैली में इसे लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ये लोग 100 रुपए लेकर 'हिंदुत्व कार्ड' बांट रहे हैं। ये मतुआ लोगों का शोषण कर रहे हैं। यह पैसे कमाने की योजना है। सीएए के नाम पर लोगों को डराया जा रहा है। यह बीजेपी की पहले से बनी राजनीतिक साजिश है।

रिपोर्ट के मुताबिक शांतनु ठाकुर ने कहा कि सीएए गृह मंत्रालय के तहत आता है, जबकि एसआईआर चुनाव आयोग देखता है। उन्होंने यह भी कहा कि जिनके पास पहले से वोटर कार्ड है, वे पहले से ही भारतीय नागरिक माने जाते हैं। मामला इसलिए और जटिल हो गया है क्योंकि एसआईआर फॉर्म जमा करने की अंतिम तारीख 4 दिसंबर बहुत नजदीक है। मतुआ समुदाय की सबसे बड़ी जरूरत

आधिकारिक नागरिकता है, ताकि उनका नाम नई वोटर लिस्ट में बना रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार के लिए इतने कम समय में सीएए के जरिए लाखों मतुआ लोगों को नागरिकता देना असंभव है।

मंत्री शांतनु ठाकुर ने केंद्र सरकार से नागरिकता प्रक्रिया तेज करने की मांग की है। इस वक्त मतुआ समुदाय एक तरफ सालों से किए गए नागरिकता के वादे और दूसरी तरफ वोटर लिस्ट से नाम कटने के डर के बीच फंसा है। इससे उनका मानवीय संकट अब पश्चिम बंगाल में एक बड़ा राजनीतिक और प्रशासनिक संकट बन गया है।

राजस्थान, चंडीगढ़, हरियाणा और असम के लिए नए एफआरआरओ नियुक्त

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़, जयपुर और गुवाहाटी में आव्रजन ब्यूरो के तहत तीन नए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी नियुक्त किए हैं। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गई। बुधवार को जारी राजपत्र अधिसूचना के मुताबिक चंडीगढ़ के लिए नव नियुक्त विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण अधिकारी (एफआरआरओ) के कार्य क्षेत्र में यह केंद्र शासित प्रदेश और हरियाणा आएगा। जयपुर के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और गुवाहाटी के लिए नियुक्त एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में असम आएगा। इससे पहले दिल्ली के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में राजस्थान और हरियाणा आते थे। वहीं अमृतसर के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र में चंडीगढ़ आता था। असम राज्य कोलकाता के लिए तैनात एफआरआरओ के कार्य क्षेत्र मेंथा। ये नियुक्तियां नए आव्रजन और विदेशी अधिनियम, 2025 के तहत की गई हैं, जो इस साल 1 सितंबर को लागू हुआ है। नए अधिनियम में जाली पासपोर्ट या वीज़ा रखने वाले विदेशियों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है।

मुंबई की मतदाता सूची में गड़बड़ी: 11 लाख से अधिक डुप्लीकेट नामों का हुआ खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। शहर के कुल 1.03 करोड़ मतदाताओं में से करीब 11 लाख से अधिक नाम दोहराए गए हैं, यानी लगभग 10.64 प्रतिशत प्रविष्टियां डुप्लीकेट हैं। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) द्वारा जारी आंकड़ों से यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि डुप्लीकेट एंट्रीज वाले शीर्ष वार्डों का प्रतिनिधित्व पहले विपक्षी दलों के पार्षद करते थे।

मसौदा मतदाता सूची में 4.33 लाख ऐसे मतदाता मिले हैं जिनके नाम दो बार से लेकर 103 बार तक दर्ज हैं। इससे कुल डुप्लीकेट प्रविष्टियां 11,01,505 तक पहुंच गई हैं। सबसे ज्यादा डुप्लीकेट नाम वाले पांच में से चार वार्ड पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के पार्षदों के पास थे। इनमें वर्ली विधानसभा क्षेत्र के दो वार्ड भी शामिल हैं, जहां से शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे विधायक हैं।

वर्ली के वार्ड नंबर 199 (पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर का पुराना वार्ड) में सबसे अधिक 8,207 डुप्लीकेट वोटर हैं। इसके बाद घाटकोपर (वार्ड 131) में 7,741, परेल-लालबाग (वार्ड 203) में 7,624, कालाचौकी (वार्ड 205) में 7,585 और सेंचुरी मिल (वार्ड 194) में 7,584 डुप्लीकेट प्रविष्टियां हैं।

आदित्य ठाकरे ने एक्स पर पोस्ट कर गंभीर आरोप लगाया है कि लाखों नाम जानबूझकर दोहराए गए हैं, घरों की गलत एंट्री की गई है और वोटर कार्ड में मूल जानकारी तक नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि आपत्ति दर्ज करने की समयसीमा न बढ़ाने से चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल उठेंगे।

निर्वाचन आयोग ने आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तारीख 27 नवंबर से बढ़ाकर 3 दिसंबर कर दी है। अंतिम मतदाता सूची 10 दिसंबर को प्रकाशित होगी। नाम दोहराने के कारणों में प्रिंटिंग त्रुटि, मतदाताओं का स्थानांतरण और मृत व्यक्तियों के नाम न हटाना बताया गया है। अब बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर सत्यापन कर रहे हैं। सभी 25 सहायक नगर आयुक्तों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। बीएमसी अधिकारियों का कहना है कि 11 लाख का आंकड़ा डुप्लीकेट व्यक्तियों की नहीं, बल्कि दोहराई गई प्रविष्टियों की संख्या है। सफाई अभियान तेज है, लेकिन इस देरी से बीएमसी चुनाव में भी विलंब हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर 31 जनवरी 2026 तक चुनाव कराने थे, लेकिन अब फरवरी तक खिसकने की आशंका है। विपक्ष इसे सुनियोजित साजिश बता रहा है, जबकि सत्ताधारी पक्ष इसे तकनीकी खामी बता रहा है। मतदाता सूची की सफाई अब मुंबई के सियासी भविष्य की सबसे बड़ी परीक्षा बन गई है।

पाकिस्तान की राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर टिप्पणी, कांग्रेस नेता ने कहा... अपनी सीमा में रहना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि पाकिस्तान को अपनी सीमा में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के साथ पाकिस्तान के चल रहे मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि पाकिस्तान खुद विभाजन की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करता। हमारे पास एक स्वस्थ लोकतंत्र और मज़बूत संविधान है, और यह उनकी तरह हर 8-10 साल में नहीं बदलता। पाकिस्तान भारत के

मामलों पर टिप्पणी करके अपनी मौत को न्यौता दे रहा है... पाकिस्तान टूटने वाला है... हम अपने आंतरिक मामले खुद सुलझा सकते हैं। इससे पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की निंदा कर आरोप लगाया कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभावपूर्ण है। इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत सरकार से मुसलमानों सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करके और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार उनके पूजा स्थलों की रक्षा करके अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। लेकिन भारत ने भगवान राम मंदिर में ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और उसकी टिप्पणियों को उसी तिरस्कार के साथ खारिज कर दिया जिसके वे हकदार हैं और उससे अपनी नज़रें अंदर की ओर मोड़ने और अपने स्वयं के दयनीय मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

तलाक देने से पहले वैवाहिक रिश्ता टूटने के देने होंगे सबूत: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के मामलों में एक अहम दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी अदालत सिर्फ यह कहकर तलाक नहीं दे सकती कि वैवाहिक रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है कि एक पक्ष ने जानबूझकर दूसरे को छोड़ा हो या साथ रहने से स्पष्ट रूप से इनकार किया हो। अगर ऐसे सबूत नहीं हैं या अलगाव किसी मजबूरी या नियंत्रण से बाहर की परिस्थिति के कारण हुआ है, तो शादी को ÷अपूरणीय रूप से टूटा÷ हुआ नहीं माना जा सकता।

14 नवंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत (वर्तमान मुख्य न्यायाधीश) और जस्टिस जॉयमाला बागची की पीठ ने इस मामले में विस्तृत आदेश जारी किया। पीठ ने स्पष्ट किया कि तलाक देने से पहले अदालत की जिम्मेदारी है कि वह दोनों पक्षों के दावों, सामाजिक पृष्ठभूमि, आर्थिक स्थिति और खासकर बच्चों के हित को ध्यान में रखकर गहन जाँच करे। कोर्ट ने कहा कि बच्चों की मौजूदगी में यह सवाल और भी संवेदनशील हो जाता है, क्योंकि तलाक का सबसे ज्यादा असर उन पर ही पड़ता है। यह फैसला उत्तराखंड के एक दंपती के मामले में आया है। पति-पत्नी की शादी 2010 से पहले हुई थी। 2010 में पति ने क्रूरता का हवाला देकर तलाक की पहली अर्जी दी थी, लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। 2013 में दूसरी याचिका दाखिल की गई, जिसमें दावा किया गया कि पत्नी ने घर छोड़ दिया है। ट्रायल कोर्ट ने 2018 में सबूत न मिलने के कारण याचिका खारिज कर दी। लेकिन 2019 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए पति को तलाक दे दिया।

महिला ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने पाया कि हाईकोर्ट ने सिर्फ पति के मौखिक बयानों पर भरोसा किया, जबकि पत्नी का दावा था कि उसे ससुराल वालों ने जबरन घर से निकाल दिया था और उसके बाद उसने अकेले बच्चे की परवरिश की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे गंभीर चूक माना और कहा कि हाईकोर्ट ने कई महत्वपूर्ण कानूनी सवालों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया।

अदालत ने हिंदू विवाह अधिनियम की व्याख्या करते हुए कहा कि महज अलग रहना ही परित्याग नहीं है। इसके लिए यह साबित करना जरूरी है कि अलगाव जानबूझकर और बिना उचित कारण के किया गया हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि कई बार महिलाएँ घरेलू हिंसा, उत्पीड़न या मजबूरी में घर छोड़ती हैं–ऐसे में उन्हें ही दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं है। अंत में सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड हाईकोर्ट का 2019 का फैसला रद्द कर दिया और मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए हाईकोर्ट को लौटा दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि अब सभी तथ्यों, गवाहों और परिस्थितियों की फिर से जाँच की जाए। यह फैसला देश भर की निचली अदालतों और हाईकोर्ट के लिए एक नया मानदंड स्थापित करता है। अब

तलाक के मामलों में जल्दबाजी या एकतरफा बयानों पर फैसला देना मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे न केवल कई शादियाँ बच सकती हैं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को अनावश्यक मानसिक-आर्थिक आघात से भी बचाया जा सकेगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**